RNI No. DLHIN/25/A2321

DD

दिव्य दिल्ली

दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

वर्ष: 01, अंक: 28, पृष्ठ: 08

infodivyadelhi@gmail.com

बुधवार, 08 अक्टूबर, 2025 तदनुसार 19 भाद्रपद विक्रमी सम्वत 2082 | www.divyadelhi.com | facebook.com/divyadelhi

तापमान अधिकतम 30 डिग्री न्यूनतम 25 डिग्री | सूयोदय 05.25 | सूर्यास्त 06.50

3.66 लाख वोटर्स की जानकारी दे चुनाव आयोग: सुप्रीम कोर्ट

चुनाव ने कहा- फाइनल लिस्ट में ज्यादातर नए मतदाता जोड़े, कुछ पुराने नाम भी

राजेश चौहान
नई दिल्ली
बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के बाद चुनाव आयोग ने अंतिम लिस्ट जारी कर दी थी। एसआईआर का मुद्दा सुप्रीम कोर्ट में भी पहुंचा हुआ है। फाइनल लिस्ट जारी करने के बाद चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को भी इसकी जानकारी दे दी है। आयोग ने कहा है कि जो अंतिम मतदाता सूची जारी की गई है, उसमें कई नाम जोड़े गए हैं। चुनाव आयोग ने कहा का कि फाइनल लिस्ट में जोड़े गए नामों में नए वोटर और कुछ पुराने वोटर शामिल हैं। आयोग ने रुख़ को लेकर राजनीतिक दलों के आरोपों पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा किया। इलेक्शन कमीशन ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि किसी भी प्रभावित या डिलीट नाम वाले वोटर ने अब तक कोर्ट का रुख नहीं किया।

कोर्ट ने मांगी मतदाताओं की जानकारी
आयोग ने कहा कि केवल दिल्ली में बैठे नेता और एनजीओ ही मुद्दा उठा रहे हैं। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि आयोग गुरुवार तक बाहर रखे गए मतदाताओं की जानकारी प्रस्तुत करेगा और इसी दिन एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर आगे की सुनवाई होगी। पीठ ने कहा कि अंतिम सूची में मतदाताओं की संख्या से ऐसा प्रतीत होता है कि ड्राफ्ट रोल के मुकाबले संख्या में वृद्धि हुई है। इसलिए किसी भी भ्रम से बचने के लिए अतिरिक्त मतदाताओं की पहचान का खुलासा किया जाना चाहिए।

अतिरिक्त मतदाताओं की पहचान का खुलासा किया जाना चाहिए

इन लोगों ने अभी तक फाइनल लिस्ट को चुनौती देते हुए आवेदन भी नहीं दाखिल किया है। पुरानी याचिका पर ही बहस कर रहे हैं। चुनाव की घोषणा हो चुकी है। हमें इसके लिए बंदोबस्त करना है।' इस दौरान एडवोकेट अश्वीन उपाध्याय ने कोर्ट से मांग की कि सभी केस पटना हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिए जाने चाहिए। सीनियर एडवोकेट विजय हंसारिया ने कहा कि यहां ये याचिकाकर्ता कुछ बातें कहते हैं, फिर बाहर 'वोट चोरी' का हंगामा किया जाता है। किसी भी भ्रम से बचने के लिए अतिरिक्त मतदाताओं की पहचान का खुलासा किया जाना चाहिए। अब शीर्ष अदालत ने मामले की सुनवाई को गुरुवार के लिए लिस्ट कर दिया है।

कुछ एलियन लिस्ट से नाम हटने पर कोर्ट आएंगे भी नहीं: जस्टिस सूर्यकांत

रिपोर्ट के अनुसार जस्टिस सूर्यकांत ने एडवोकेट प्रशांत भूषण से पूछा कि याचिकाकर्ता किसके लिए ऐसा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'यहां कुछ एलियन भी हैं जो वोटर लिस्ट से उनका नाम हटाए जाने के लिए आवाज भी नहीं उठाएंगे। वे कोर्ट नहीं आएंगे। तो मिस्टर भूषण आप किसके लिए ये सब कर रहे हैं?' जस्टिस सूर्यकांत की बेंच मामले पर सुनवाई कर रही थी। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, 'हम नहीं चाहते कि यह मामला एक अनियंत्रित पूछताछ बन जाए।

चुनाव आयोग ने क्या कहा?
याचिकाकर्ताओं की इन दलीलों पर चुनाव आयोग के वकील राकेश द्विवेदी ने कहा कि हर वोटर को जानकारी दी गई थी। उन्होंने कहा कि हर कोई कुछ भी दावा कर रहा है इसलिए इनसे हलफनामा लिया जाए। राकेश द्विवेदी ने कहा कि पिछली बार योगेंद्र यादव कुछ लोगों को कोर्ट में लेकर आ गए थे. कोई जवाबदेही नहीं दिखा रहा। राकेश द्विवेदी ने कहा, 'हमने हर राजनीतिक पार्टी को लिस्ट सौंपी है. कोई व्यक्ति खुद चुनाव आयोग के पास नहीं आ रहा। दिल्ली में बैठे एनजीओ शोर कर रहे हैं।

60 करोड़ फ्रॉड मामले में एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी से 5 घंटे हुई पूछताछ

नई दिल्ली
बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी से मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने करीब 5 घंटों तक पूछताछ की गई। बताया जा रहा है कि ये पूछताछ कारोबारी से 60 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी के मामले में की गई। जानकारी के अनुसार, एक्ट्रेस से लगभग पांच घंटे तक पूछताछ की गई। वहीं, इस मामले में उनके या उनके पति राज कुंद्रा के संबंध के बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आ सकी है। इससे पहले सितंबर के महीने ने धोखाधड़ी के आरोपों को लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री और उनके पति के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया था।

केंद्रीय कैबिनेट-24,634 करोड़ के 4 नए रेलवे प्रोजेक्ट्स को मंजूरी

नई दिल्ली
केंद्रीय कैबिनेट की बैठक आज यानी मंगलवार को कई बड़े फैसले लिए गए। इसमें चार नई रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इसके साथ ही वडोदरा-रतलाम को तीसरी और चौथी लेन को मंजूरी मिली है। वहीं भुसावल-वर्धा तीसरी-चौथी लेन को भी मंजूरी मिली है। वहीं इटारसी-चौथा-बीना के चौथे लेने को भी मंजूरी दी गई है। कैबिनेट बैठक के बाद मीडिया ब्रीफिंग में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, "आज की कैबिनेट बैठक में हमने चार नई रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी है। सात रेलवे कॉरिडोर कुल रेल यातायात का 41% हिस्सा वहन करते हैं। हमने हाल ही में इन कॉरिडोर को मजबूत करने और और अधिक जोड़ने के लिए कई परियोजनाएं शुरू की हैं। अब, हमने इन कॉरिडोर में न्यूनतम चार लेन और जहां संभव हो, छह लेन बनाने का निर्णय लिया है।"

दिवाली-छठ पर रेल यात्रियों को बड़ी सौगात, देश भर में चलेंगी 12000 ट्रेनें
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय कैबिनेट की बैठक की गई। इस बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए। सबसे पहले रेल यात्रियों का ध्यान रखते हुए सरकार ने 12000 ट्रेनें चलाने का फैसला लिया है। रेलवे दिवाली-छठ जैसे त्योहारी सीजन में यात्रियों की सुविधाओं को देखते हुए देश भर में 1200 स्पेशल दिवाली-छठ पर 12 हजार ट्रेनें चलाई जा रही है। इसके अलाव आज की कैबिनेट बैठक में चार नई रेलवे परियोजनाओं को भी मंजूरी मिली है।

अवैध रूप से रह रहे विदेशियों के लिए स्वर्ग हो गया है भारत: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली
देश के शीर्ष न्यायालय ने सोमवार को एक अहम टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जो विदेशी अवैध भारत में रह रहे हैं, उनके लिए ये देश स्वर्ग सा हो गया है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने गोवा में एक रूसी नागरिक के साथ रह रहे एक इजरायली व्यक्ति को कड़ी फटकार लगाई। इसके साथ ही इजरायली व्यक्ति की दो नाबालिग बेटियों को रूस वापस भेजने से रोकने की मांग करने वाली याचिका को खारिज कर दिया। बता दें कि न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने ड्रोर श्लोमी गोल्डस्टीन की ओर से एक याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। इस याचिका में ड्रोर श्लोमी गोल्डस्टीन ने दोनों नाबालिग लड़कियों के पिता होने का दावा किया था। रिपोर्ट के अनुसार, याचिका की सुनवाई के दौरान दो न्यायाधीशों की पीठ ने टिप्पणी करते हुए कहा कि यह देश हर तरह के लोगों के लिए स्वर्ग बन चुका है। कोई भी यहां आता है और हमेशा के लिए यहीं रह जाता है। वहीं, पीठ ने सवाल किया कि इजरायली नागरिक भारत में अपना गुजारा कैसे कर रहा है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि इजरायली होने के बावजूद आप भारत में क्यों हैं। आपकी जीविका कैसे चल रह है और उसका स्त्रोत क्या है? कोर्ट स्पष्ट कहा कि हम आपकी गतिविधियों पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते हैं, लेकिन आप गोवा में गुजारा कैसे कर रहे हैं।

10 ग्राम सोना 1.20 लाख पर पहुंचा, 718 महंगा हुआ

नई दिल्ली
सोने-चांदी के दाम 7 अक्टूबर को ऑलटाइम हाई पर पहुंच गए। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 718 रुपए बढ़कर 1,19,967 रुपए पर पहुंच गया। इससे पहले ये 1,19,249 रुपए पर था। वहीं, चांदी 605 रुपए महंगी होकर 1,49,438 रुपए पर पहुंच गई। कल यानी सोमवार को ये 1,48,833 रुपए पर थी। इस साल सोना 44,000 और चांदी 63,000 महंगी हुई इस साल अब तक सोने की कीमत करीब 43,805 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,19,967 रुपए हो गया है।

गोवा को डर और भ्रष्टाचार से मुक्त करने का किया आप के संयोजक केजरीवाल ने वादा

गोवा
गोवा की सड़कों की हालत देखकर किसी का भी दिल दुख जाएगा। हर गली-मोहल्ले में टूटी सड़कें, गड्ढों से भरे रास्ते और बरसात में कीचड़ से लबालब गलियांझ् यही है बीजेपी के 13 साल के राज की सच्चाई। हर साल बजट में हजारों करोड़ रुपये पास होते हैं, लेकिन सड़कें क्यों नहीं बनतीं? आखिर वह पैसा कहाँ चला जाता है? इसी सवाल का जवाब मांगने के लिए आम आदमी पार्टी ने एक बड़ा सिग्नेचर अभियान चलाया। गोवा के कुल 3.5 लाख परिवारों में से 1 लाख परिवारों ने इस अभियान में हिस्सा लिया और मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर सड़कें तुरंत ठीक करने की मांग की। इन्हीं चिट्ठियों से भरा ट्रक मुख्यमंत्री को सौंपा गया। यह कोई साधारण विरोध नहीं है, यह हर उस गोवावासी की आवाज है जो अब और चुप नहीं रहना चाहता। भ्रष्टाचार इतना गहरा है कि जो सड़कें बनती भी हैं, वे कुछ ही दिनों में फिर से टूट जाती हैं। जनता को झूठे वादों और अधूरे कामों से बहकाया गया, लेकिन अब जनता जाग चुकी है। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार ने गांव-गांव में 18,000 किलोमीटर से ज्यादा सड़कों का निर्माण करवाया है। वहां सख्त नियम है, अगर सड़क पांच साल से पहले खराब हुई, तो ठेकेदार को अपने पैसे से मरम्मत करनी होगी। यही होती है जिम्मेदार सरकार। गोवा एक अमीर राज्य है, फिर भी आज भी लोगों को पीने का पानी टैंकरों से मिलता है। आम आदमी पार्टी के सिर्फ. दो विधायक हैं, फिर भी लोग चंदा इकट्ठा करके मोहल्ला क्लीनिक खोल रहे हैं। वहीं बीजेपी के पास हजारों करोड़ हैं, लेकिन जनता के लिए न अस्पताल बने, न स्कूल सुधरे, न सड़कें ठीक हुईं। क्योंकि बीजेपी को जनता की नहीं, सिर्फ. सत्ता और पैसे की चिंता है।

बंगाल में बीजेपी सांसद पर हमले का मामला गरमाया

लोकसभा सचिवालय ने गृह मंत्रालय को लिखी चिट्ठी, सांसद मुर्मू पर हमले के लिए बंगाल सरकार से 3 दिन में मांगा जवाब

नई दिल्ली
पश्चिम बंगाल में बीजेपी सांसद खगेन मुर्मू पर हमले का मामला लगातार तूल पकड़ रहा है। कई केंद्रीय मंत्रियों ने हमले की सख्त आलोचना की है। वहीं, अब लोकसभा सचिवालय ने गृह मंत्रालय को चिट्ठी लिखी है। लोकसभा सचिवालय ने गृह मंत्रालय से पश्चिम बंगाल सरकार से जवाब मांगने को कहा है। इसके लिए बंगाल सरकार के पास 3दिन का समय है। लोकसभा सचिवालय ने गृह मंत्रालय को चिट्ठी लिखते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार से तीन दिन के भीतर तथ्यात्मक नोट मांगा जाए। बता दें कि, जलपाईगुड़ी में खगेन मुर्मू पर हुए हमले के दौरान उन्हें गंभीर चोटें आईं हैं। इस हमले में उनके सिर पर चोट लगी है और आंख बाल-बाल बची है।

भीड़ ने किया था हमला
बीजेपी सांसद खगेन मुर्मू बाढ़ प्रभावित इलाके के दौरे पर गए थे। वो आपदा में बेघर हुए लोगों को राहत सामग्री देकर लौटे थे, तभी कुछ लोगों ने उनके काफिले पर हमला कर दिया। इस दौरान उनकी गाड़ी पर पत्थर, जूते, चप्पल और डंडे बरसाए गए। हमले में गाड़ी के शीशे भी चकनाचूर हो गए। इस दौरान खगेन मूर्मु के सिर में गंभीर चोट लग गई है। उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है और उनका इलाज चल रहा है।

खगेन मुर्मू की हालत गंभीर
खगेन मुर्मू पर हमले के बाद सियासी बवाल शुरू हो गया है। बीजेपी ने हमले के पीछे ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी का हाथ बताया है। कई रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि खगेन मुर्मू के आंख के नीचे की हड्डी टूट गई है। अभी आईसीयू में उनका इलाज चल रहा है और जरूरत पड़ने पर उन्हें एम्स अस्पताल में रेफर किया जा सकता है।

फिजिक्स का नोबेल 3 अमेरिकी वैज्ञानिकों को

मैक्रोस्कोपिक क्वांटम टनलिंग के लिए मिला; चिकित्सा, अंतरिक्ष और रक्षा तकनीक में फायदा होगा

स्कॉटहोम
इस साल फिजिक्स नोबेल पुरस्कार 3 अमेरिकी वैज्ञानिक जॉन क्लार्क, मिशेल डेवोरेट, जॉन मार्टिनिस को मिला है। स्वीडन की रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने इसकी घोषणा की। यह पुरस्कार इलेक्ट्रिक सर्किट में बड़े पैमाने पर मैक्रोस्कोपिक क्वांटम टनलिंग और ऊर्जा के स्तरों की खोज के लिए मिला है। क्वांटम टनलिंग वह प्रक्रिया है जिसमें कोई कण किसी बाधा (बैरियर) को कूदकर नहीं बल्कि उसके 'आर-पार' होकर निकल जाता है, जबकि सामान्य फिजिक्स के हिसाब से यह असंभव होना चाहिए। आम जिंदगी में हम देखते हैं कि कोई गेंद दीवार से टकराकर वापस आ जाती है। लेकिन क्वांटम की दुनिया में छोटे कण कभी-कभी दीवार को पार कर दूसरी तरफ चले जाते हैं। इसे क्वांटम टनलिंग कहते हैं। आम जिंदगी में गेंद दीवार से टकराकर वापस आ जाती है, लेकिन क्वांटम की दुनिया में यह दीवार के पार चली जाती है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने कहा कि इन वैज्ञानिकों ने यह साबित किया कि क्वांटम इफेक्ट मानव स्तर पर भी दिखाई दे सकते हैं। दरअसल, फिजिक्स में एक बुनियादी सवाल यह रहा है कि क्या क्वांटम इफेक्ट, जो आम तौर पर परमाणु और कणों तक सीमित रहते हैं, बड़े पैमाने पर भी दिखाई दे सकते हैं?

कफ सिरप कांड के बाद ताबड़तोड़ कार्रवाई, दो और मेडिकल स्टोर सील

छिंदवाड़ा
मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के परासिया में बच्चों में किडनी फेलियर (गुर्दा विफलता) के दुखद मामलों से जुड़े एक बड़े घटनाक्रम में, स्थानीय प्रशासन ने स्टेशन रोड परासिया पर स्थित दो मेडिकल स्टोरों-रसेला मेडिकल और श्रीवास्तव मेडिकल को सील कर दिया है। यह कार्रवाई बच्चों की मौत के बाद सामने आए गंभीर मामले की चल रही जांच का हिस्सा है, जिसमें दूषित कफ सिरप और कुछ अन्य दवाओं के सेवन की आशंका जताई जा रही है। कई बच्चों के परिजनों ने इन्हीं मेडिकल स्टोर से ली थी दवा

प्रारंभिक जांच में यह सामने आया था कि किडनी संबंधी समस्याओं से पीड़ित कई बच्चों ने इन निजी मेडिकल स्टोर्स से दवाइयां ली थीं। स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की संयुक्त टीम ने जांच को आगे बढ़ाते हुए इन दोनों प्रतिष्ठानों को बंद (सील) कर दिया है, ताकि दवाओं के स्टॉक और प्रिस्क्रिप्शन रिकॉर्ड की गहनता से जांच की जा सके।

उल्लेखनीय है कि इस पूरे मामले की जांच के लिए केंद्र और राज्य की विशेषज्ञ टीमें पहले ही परासिया पहुँच चुकी हैं। उन्होंने मानव और दवा नमूनों के साथ-साथ पानी के नमूने भी एकत्र किए हैं।

कुछ अन्य कफ सिरपों के उपयोग पर भी लगा प्रतिबंध
इस बीच, कुछ संबंधित दवाइयों और कफ सिरपों के उपयोग पर भी अस्थाई रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया है।

प्रशासन की इस सख्त कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध और अनधिकृत दवा वितरण पर लगाम लगने की उम्मीद है।

इस 4 लाख का क्या करेंगे, जब...', जहरीले कफ सिरप से 14 बच्चों की मौत के बाद परिवार के नहीं थम रहे आंसू
मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में कोल्ड्रिफ सिरप के सेवन के बाद 14 मासूमों की जान चली गई। इस घटना ने न केवल एमपी बल्कि पूरे देश को हिला कर रख दिया है। राज्य की मोहन सरकार ने मृतक बच्चों के अभिभावकों को 4 लाख रुपये की आर्थिक मदद का एलान किया है। इस बीच छिंदवाड़ा के परासिया के रहने वाले एक व्यक्ति ने कहा कि ये मुआवजा उन परिवारों के लिए कोई मायनें नहीं रखती है, जिनके घर के नौनिहाल अब इस दुनिया में नहीं है। परिजनों का कहना है कि इस सरकारी मदद का क्या फायदा, जब आप अपने बच्चे के लिए अपना सब कुछ बेच चुके हों। हाल के दिनों में छिंदवाड़ा में कोल्ड्रिफ कप सिरप के सेवन से जान गंवाने वाले बच्चों के परिजनों को 4 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाना है।

सिंगर जुबीन की मौत का मामले में गहराया शक, सीआईडी ने सात लोगों को भेजा समन

गुवाहाटी
मशहूर सिंगर जुबीन गर्ग की मौत के मामले में जांच जारी है। मामले की जांच कर रही सीआईडी ने सिंगारपुर में रहने वाले 8 भारतीयों को समन जारी किया था। हालांकि, केवल एक ही व्यक्ति ने इस समन का जवाब दिया और गुवाहाटी में सीआईडी के सामने उपस्थित हुए। दरअसल, एनआरआई रुपकमल कलिता आज गुवाहाटी पहुंचे और सीआईडी के सामने पेश हुए। अब सिंगर की मौत के मामले में उनसे पूछताछ की जाएगी। कालिता रूप मूल रूप से असम के ही रहने वाले हैं।

आठ लोगों को जारी किया गया था नोटिस
इस मामले की जांच कर रहे अधिकारियों ने सिंगापुर स्थित आठ प्रवासी भारतीयों को भारतीय उच्चायोग के माध्यम से 6 अक्टूबर तक रिपोर्ट करने को कहा था। इन सभी आठ प्रवासी भारतीयों को समन जारी किया गया था। जिसमें से केवल एक ही व्यक्ति ने इस समन का जवाब दिया है। अन्य सात लोगों द्वारा समन पर जवाब ना मिलने के बाद शक गहरा गया है।

सिंगापुर में हुई थी सिंगर की मौत
गौरतलब है कि 52 साल के गायक जुबीन गर्ग की मौत पिछले महीने सिंगापुर के एक याट में पार्टी के दौरान समुद्र में तैरने गए थे, जहां उन्हें पानी में औंधे मुंह तैरते हुए मृत पाए गए। बता दें कि 20 सितंबर से सिंगापुर में होने वाले तीन दिवसीय नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल में शामिल होने के लिए वहां पहुंचे थे। हालांकि, गायक की मौत के बाद इस का कार्यक्रम को रद कर दिया गया था। मुख्य आयोजक श्यामकानु महंत को गैर-इरादतन हत्या, आपराधिक साजिश और लापरवाही से मौत का कारण बनने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

चीफ जस्टिस बीआर गवई पर जूता फेंकने वाले वकील राकेश किशोर बोले-जो किया, अफसोस नहीं

दूसरे समुदाय के खिलाफ मामला आए तो चीफ जस्टिस बड़े स्टेप लेते हैं

नई दिल्ली
बीते दिन सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान वकील ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (चीफ जस्टिस) बीआर गवई पर जूता फेंक दिया था। यह हादसा पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया है। दूसरे समुदाय के खिलाफ मामला आए तो चीफ जस्टिस बड़े स्टेप लेते हैं पर हमला करने वाले वकील की पहचान 72 वर्षीय राकेश किशोर के रूप में हुई है। घटना के बाद राकेश को दिल्ली पुलिस के हवाले कर दिया गया था। चीफ जस्टिस गवई ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करने से साफ मना कर दिया, जिसके बाद आरोपी को रिहा कर दिया गया था।

रायबरेली में इंसान नहीं, संविधान की हत्या: राहुल गांधी

राहुल बोले- भीड़तंत्र को सत्ता का संरक्षण; दलित युवक की पीटकर हत्या, मार खाते हुए राहुल का नाम लिया था

रायबरेली
रायबरेली में मॉब लिंचिंग को लेकर राहुल गांधी ने कहा- दलित युवक हरिओम वाल्मीकि की निर्मम हत्या केवल एक इंसान की नहीं, बल्कि इंसानियत, संविधान और न्याय की हत्या है। देश में नफरत, हिंसा और भीड़ तंत्र को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है। राहुल ने मंगलवार को पर लिखा- संविधान की जगह बुलडोजर ने ले ली है, इंसाफ की जगह डर ने, लेकिन यह देश संविधान से चलेगा, भीड़ की सनक से नहीं। भारत का भविष्य समानता और मानवता पर टिका है। मैं परिवार के साथ खड़ा हूं। उन्हें न्याय जरूर मिलेगा। दरअसल, 2 अक्टूबर को हरिओम पासवान की हत्या हुई थी। शुरू में कहा गया था कि युवक ड्रोन चोर था। उसी दिन युवक को पीटने और उसकी लाश के वीडियो भी सामने आए थे। इसके बाद 4 अक्टूबर को एक और वीडियो सामने आया, जिसमें मार खाते हुए युवक राहुल गांधी का नाम लेता है।

इस पर भीड़ में से एक शख्स कहता है, यहां सब बाबा वाले हैं। इस मामले में लापरवाही करने पर ऊंचाहार थाना अध्यक्ष संजय कुमार समेत 6 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं, 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। रविवार रात राहुल ने परिवार से फोन पर बात की थी। कहा था- परेशान मत होइए, कांग्रेस परिवार आपके साथ है।

युवक बार-बार कहता रहा कि मैं चोर नहीं हूं

वह फतेहपुर जिले के तरावती का पुरवा गांव का रहने वाला था। वह 1 अक्टूबर की रात करीब 1 बजे ऊंचाहार-डलमऊ मार्ग पर ईश्वरदासपुर की ओर जा रहा था। तभी 24-25 गांववालों ने उसे पकड़ लिया। गांव वाले उससे पूछताछ करने लगे। हरिओम ने बताया कि वह पास के ही गांव में रहता है, लेकिन गांव वाले नहीं माने। इसके बाद उसे डंडे और बेल्ट से मारने-पीटने लगे। फिर उसे अधनंगा कर दिया। उसकी ही शर्ट से दोनों हाथ बांधे। उस पर डंडे-बेल्ट बरसाते रहे। अधमरा करने के बाद लोग उसे गांव के बाहर नहर किनारे ले गए। एक खंभे में बांधकर पीटा। फिर उसे रेलवे ट्रैक के किनारे फेंक दिया था। युवक बार-बार कहता रहा कि मैं चोर नहीं हूं, लेकिन किसी ने उसकी एक न सुनी। पिटाई के बाद युवक को अधमरी हालत

'2014 के बाद से मॉब लिंचिंग भयावह पहचान बन चुकी'

राहुल-खड़गे ने लिखा, '2014 के बाद से मॉब लिंचिंग, बुलडोजर अन्याय और भीड़तंत्र जैसी प्रवृत्तियां हमारे समय की भयावह पहचान बन चुकी हैं। हिंसा किसी भी सभ्य समाज की निशानी नहीं हो सकती है, इसलिए हरिओम के साथ जो हुआ, वह हमारी सामूहिक नैतिकता पर गहरा प्रश्न है। डॉ. भीमराव अंबेडकर के सपनों का भारत और महात्मा गांधी के 'वैष्णव जन...' का भारत सामाजिक न्याय, समानता और संवेदना का भारत है, जिसमें ऐसे अपराधों के लिए कोई स्थान नहीं।

मानवता ही एकमात्र रास्ता है।'

'अन्याय के खिलाफ एकजुट होने की जरूरत है'
उन्होंने लिखा, 'कांग्रेस पार्टी समाज के वंचित और कमजोर तबकों के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है।
हम नागरिकों से आह्वान करते हैं कि वे इस अन्याय के खिलाफ एकजुट हों। यह लड़ाई तब तक जारी रहनी चाहिए, जब तक हर भारतीय के अधिकारों और जीवन की गरिमा को पूर्ण सुरक्षा नहीं मिल जाती है।'
रायबरेली के ऊंचाहार थाना क्षेत्र के ईश्वरदासपुर गांव में 2 अक्टूबर को एक युवक की लाश रेलवे ट्रैक के किनारे मिली थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक के शरीर पर पिटाई के निशान थे। सिर पर गहरी चोट, छाती पर बेल्ट के निशान और पूरे शरीर पर नीले-काले दाग थे। पुलिस ने युवक का नाम हरिओम पुत्र गंगादीन (38) बताया था।

राहुल का एक्स पर पोस्ट खड़गे-राहुल का संयुक्त बयान, कहा- रायबरेली में जो हुआ, वह देश पर कलंक
इस मामले में राहुल ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ साझा लेटर भी लिखा है। जिसे दोनों नेताओं ने पर शेयर किया। इसमें लिखा है, 'रायबरेली में दलित युवक हरिओम वाल्मीकि की निर्मम और क्रूर हत्या की कांग्रेस पार्टी कड़ी से कड़ी निंदा करती है।

रायबरेली में हुआ, वह इस देश के संविधान के प्रति घोर अपराध है: राहुल

राहुल गांधी ने कहा कि हमारे देश में एक संविधान है, जो हर इंसान को समानता के भाव से पहचानता है। एक कानून है, जो हर नागरिक की सुरक्षा, उसके अधिकार और उसकी अभिव्यक्ति को समान दर्जा देता है। जो रायबरेली में हुआ, वह इस देश के संविधान के प्रति घोर अपराध है। दलित समुदाय के प्रति अपराध है। इस देश और समाज पर कलंक है।' रायबरेली मॉब लिंचिंग को लेकर राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने साझा लेटर लिखा है।

'वंचित के खिलाफ सबसे अधिक हिंसा हो रही'
राहुल-खड़गे ने लिखा है, 'देश में दलितों, अल्पसंख्यकों और गरीबों पर अपराध की संख्या हद से ज्यादा बढ़ चुकी है। यह हिंसा सबसे अधिक उन्हीं पर होती है, जो वंचित हैं, बहुजन हैं, जिनकी न पर्याप्त हिस्सेदारी है, न प्रतिनिधित्व। चाहे हाथरस और उन्नाव में महिलाओं के खिलाफ अपराध हों या रायबरेली में हरिओम की हत्या। कुछ समय पहले रोहित वेमुला की संस्थागत हत्या हुई।

मध्य प्रदेश में एक नेता द्वारा आदिवासी युवक पर पेशाब करने की अमानवीय घटना भी सामने आई। ओडिशा और मध्य प्रदेश में दलितों की निर्मम पिटाई हो या फिर हरियाणा के पहलू खान और उत्तर प्रदेश के अखलाक की हत्या। हर घटना हमारे समाज, प्रशासन और सत्ताधारी शक्तियों की बढ़ती हुई संवेदनहीनता का दर्पण है।' यह तस्वीर 3 अक्टूबर की दोपहर को सामने आई थी। इसमें गांव वालों ने युवक को चोर समझकर पकड़ा और उससे मारपीट कर पूछताछ की थी।

पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा की अचानक बिगड़ी तबीयत

नई दिल्ली
पूर्व प्रधानमंत्री और जेडीएस पार्टी के अध्यक्ष एचडी देवगौड़ा को तबीयत खराब होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के चलते एचडी देवगौड़ा को बेंगलुरु के मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक एचडी देवगौड़ा को मंगलवार को संक्रमण के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं मणिपाल अस्पताल ने एक बुलेटिन में कहा, "पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा को संक्रमण के कारण ओल्ड एयरपोर्ट रोड स्थित मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वर्तमान में डॉक्टर्स की टीम उन पर निगरानी रख रही है।" वहीं पारिवारिक सूत्रों के अनुसार 92 वर्षीय जेडीएस प्रमुख को बुखार था, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सबरीमाला में सोना चोरी पर बड़ा एक्शन, अधिकारी निलंबित

नई दिल्ली
केरल में स्थित प्रसिद्ध हिंदू तीर्थस्थल सबरीमाला भगवान अयप्पा मंदिर में सोने की कथित चोरी को लेकर बड़ा एक्शन लिया गया है। सबरीमाला अय्यप्पन मंदिर का प्रबंधन करने वाले त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) ने मंगलवार को मंदिर की 'द्वारपालक' मूर्तियों पर स्वर्ण-पल्लवन (सोने की परत) में कथित अनियमितताओं को लेकर एक वरिष्ठ अधिकारी को निलंबित कर दिया है। टीडीबी ने एक बयान में कहा कि वर्तमान में उप देवस्वोम आयुक्त (हरिपद) के रूप में कार्यरत बी मुरारी बाबू को जांच लंबित रहने तक निलंबित कर दिया गया है। बयान में आगे कहा गया है कि पहाड़ी मंदिर में प्रशासनिक अधिकारी के रूप में कार्यरत रहते हुए बी मुरारी बाबू ने 17 जुलाई, 2019 को सबरीमाला कार्यकारी अधिकारी को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करके एक "गंभीर चूक" की, जिसमें मंदिर के प्रवेश द्वार के दोनों ओर पाई गई स्वर्ण-पल्लवन वाली द्वारपालक मूर्तियों को गलत तरीके से ताम्र-पल्लवन वाली बताया गया था। इससे पहले अलप्पुझा में पत्रकारों से बात करते हुए मुरारी बाबू ने आरोपों से इनकार किया था और कहा था कि टीडीबी ने अभी तक उनसे कोई स्पष्टीकरण नहीं मांगा है।

जजों की टिप्पणी की सोशल मीडिया में हो रही गलत व्याख्या: सीजेआई गवई

नई दिल्ली
भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने मंगलवार को अदालती कार्यवाही के दौरान न्यायाधीशों द्वारा की गईं मौखिक टिप्पणियों को सोशल मीडिया पर गलत तरीके से प्रस्तुत किए जाने पर चिंता व्यक्त की है। मुख्य न्यायाधीश की ओर से यह बयान उन पर एक वकील द्वारा जूता उछालने की कोशिश के एक दिन बाद आया है। वकील ने खजुराहो में विष्णु की मूर्ति की पुनर्स्थापना की याचिका पर पिछले महीने मुख्य न्यायाधीश द्वारा की गई टिप्पणी से नाखुश होने का दावा किया था।

सीजेआई ने सुनाया किस्सा

मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश गवई ने एक किस्सा साझा किया। उन्होंने अपने सहयोगी न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन को एक मामले की पिछली सुनवाई के दौरान ऑनलाइन गलत व्याख्या से बचने के लिए कुछ खुले तौर पर टिप्पणियां करने से रोक दिया था। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, मेरे विद्वान भाई (न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन) को कुछ टिप्पणी करनी थी, मैंने उन्हें धीरज मोर मामले की सुनवाई के दौरान इसे व्यक्त करने से रोक दिया। वरना इसे सोशल मीडिया पर हमें नहीं पता कि क्या रिपोर्ट किया जाता? मैंने अपने विद्वान भाई से अनुरोध किया कि वे इसे केवल मेरे कानों तक ही सीमित रखें।

मुख्य न्यायाधीश और न्यायमूर्ति चंद्रन की पीठ अखिल भारतीय न्यायाधीश संघ द्वारा न्यायिक अधिकारियों की सेवा शर्तों, वेतनमान और करियर प्रगति से संबंधित मुद्दों पर दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

आईजी पूरन कुमार ने चंडीगढ़ में खुद को मारी गोली, नौ दिन पहले मिली थी नई जिम्मेदारी

रोहतक
चंडीगढ़ में आईजी वाई पूरन कुमार के सुसाइड मामले से हरियाणा पुलिस में हड़कंप मचा हुई है। पूरन कुमार 2001 बैच के आईपीएस अधिकारी थे। उन्हें नौ दिन पहले ही पीटीसी सुनारिया का आईजी बनाया गया था। हालांकि आईजी के सुसाइड मामले को लेकर कोई भी पुलिस अधिकारी कुछ भी बोलने के लिए तैयार नहीं है। हरियाणा सरकार ने 21 अप्रैल को 42 आईपीएस व 13 एचपीएस का तबादला किया था। इसमें हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन के आईजी वाई पूरन

कुमार को रोहतक रेंज का आईजी लगाया था। वाई पूरन कुमार पांच माह रोहतक रेंज के आईजी रहे। 29 सितंबर को सरकार ने छह आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया था। इसमें पूरन कुमार को पीटीसी सुनारिया का आईजी लगाया गया था।

चंडीगढ़ में किया सुसाइड
बता दें कि हरियाणा पुलिस के बड़े अधिकारी ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या की है। घटना चंडीगढ़ के सेक्टर-11 की है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। चंडीगढ़ पुलिस के एसएसपी, सीएफएसएल और फोरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर पहुंच गई है। वाई पूरन कुमार की पत्नी पी अमनीत कुमार विदेश दौरे पर हैं। आईएएस पी अमनीत कुमार, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, मंत्री राव नरवीर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी जापान दौरे पर हैं।

डीजीपी और एडिशनल चीफ सेक्रेटरी की शिकायत की थी
जानकारी के अनुसार आईजी वाई पूरन कुमार बीते डेढ़ वर्ष से काफी सुर्खियों में थे। उन्हें एडीजीपी रैंक से आईजी रैंक में प्रमोट किया गया था।

बिहार चुनाव: कांग्रेस की केंद्रीय समिति की आज बैठक

नई दिल्ली
कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की कल बैठक होने वाली है, जिसमें आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामों पर फैसला लिया जा सकता है। पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे डिजिटल माध्यम से इस बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में सीईसी के सदस्य और पार्टी के कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी इस बैठक में ऑनलाइन शामिल हैं। वह इस समय दक्षिण अमेरिकी देशों के दौरे पर हैं। सीईसी के अन्य प्रमुख सदस्यों में सोनिया गांधी, अधीर रंजन चौधरी, केसी वेणुगोपाल, अमी याज्ञनिक, उत्तम कुमार रेड्डी, टीएस सिंह देव और कई अन्य नेता शामिल होंगे। कांग्रेस पार्टी बिहार में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और भाकपा, भाकपा (माले) जैसे दलों के साथ गठबंधन में है। यह गठबंधन भाजपा, जदयू, लोजपा (रामविलास), हम और अन्य दलों के साथ बने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को कड़ी टक्कर देने की तैयारी में है। हालांकि, कांग्रेस ने अब तक अपने गठबंधन सहयोगियों के सीट बंटवारे की औपचारिक घोषणा नहीं की है। लेकिन पार्टी ने हाल ही में 'मतदाता अधिकार यात्रा' पूरी की है। यह यात्रा बिहार के कई जिलों में निकाली गई थी और इसमें राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव ने मिलकर नेतृत्व किया। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने पहले कहा था कि बिहार इस बार पूरे देश को बदलाव का रास्ता दिखाने जा रहा है। चुनाव आयोग बिहार विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर चुका है। विधानसभा की 243 सीटों पर दो चरणों में मतदान होगा। छह नवंबर को पहले चरण का मतदान होगा और 11 नवंबर को दूसरे चरण का मतदान होगा। मतगणना 14 नवंबर को होगी। अंतिम मतदाता सूची के अनुसार, राज्य में कुल मतदाताओं की संख्या 7.42 करोड़ है। 24 जून 2025 तक यह संख्या 7.89 करोड़ थी। चुनाव आयोग की प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक मसौदा सूची से 65 लाख मतदाता हटाए गए थे।

ममता ने भाजपा के घायल सांसद खगेन से अस्पताल में मुलाकात की

सिलिगुड़ी
पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद खगेन मुर्मू से मंगलवार को सिलीगुड़ी के एक निजी अस्पताल में मुलाकात की, जहां उनका इलाज चल रहा है। खगेन मुर्मू पर उत्तर बंगाल के बाढ़ और भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों के दौरे के दौरान नागराकाटा में हमला किया गया था। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सूत्रों के अनुसार, ममता बनर्जी ने चिकित्सकों से बात की और भाजपा नेता को राज्य

सरकार की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।अस्पताल से बाहर आने के बाद बनर्जी ने कहा, मुझे सभी जानकारी मिल गई है। उनका (मुर्मू का) रक्त शर्करा बढ़ा हुआ है। इसे नियंत्रित करने की जरूरत है। मैंने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की है। मुर्मू पर सोमवार को आपदा प्रभावित इलाके में स्थानीय निवासियों से बातचीत के दौरान, कथित तौर पर कुछ उपद्रवियों ने हमला किया था। भाजपा विधायक शंकर घोष पर भी भीड़ ने हमला किया। इस घटना से राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। भाजपा ने टीएमसी पर हमले की साजिश रचने का आरोप लगाया है, जबकि पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी ने आरोप लगाया है कि भाजपा आपदा प्रभावित इलाकों में फोटो खिंचवाने में व्यस्त थी।

30 करोड़ रुपये की सरकारी मदद हड़पने के लिए कर दिया 'विवाह' घोटाला

नई दिल्ली
सरकारी प्रावधानों के तहत निर्माण श्रमिकों के परिवारों को लाभ पहुंचाने के लिए संबंधित विभाग द्वारा निर्धारित, धनराशि आवंटित की जाती है। मकसद, असंपन्न लोगों की आर्थिक मदद करना होता है। विवाह के मौके पर यह राशि प्रदान की जाती है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के मन में लालच आ गया। उन्होंने 30 करोड़ रुपये की सरकारी मदद हड़पने के लिए प्लान तैयार कर दिया। यानी 'विवाह' घोटाला कर दिया। लगभग 5923 विवाह, 'संदिग्ध शादियों' की लिस्ट में शामिल हो गए। जो सरकारी मदद, इन जरुरतमंद परिवारों को मिलनी थी, वह सीईओ और कुछ कर्मचारियों के पास चली गई। सरकारी दस्तावेजों में हेरफेर कर 'विवाह' के आंकड़ों को बदल दिया गया। यह 'विवाह' घोटाला, मध्यप्रदेश के कई जिलों में हुआ है।

असम और गुजरात को बाढ़ राहत के लिए 707 करोड़ रुपये, हरियाणा, एमपी, राजस्थान के लिए हुआ बड़ा एलान

नई दिल्ली
केंद्र ने 2024 में बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित असम और गुजरात के लिए 707.97 करोड़ रुपये की अतिरिक्त केंद्रीय सहायता को मंजूरी दी है। गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता वाली एक उच्च स्तरीय समिति ने यह मंजूरी दी है। समिति ने राज्यों में अग्निशमन सेवाओं के विस्तार और आधुनिकीकरण के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) से हरियाणा, मध्य प्रदेश और राजस्थान के लिए 903.67 करोड़ रुपये की मंजूरी भी दी है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया, "केंद्रीय गृह मंत्री की अध्यक्षता वाली एक उच्च स्तरीय समिति ने 2024 में बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित असम और गुजरात को 707.97 करोड़ रुपये की

अतिरिक्त केंद्रीय सहायता को मंजूरी दी है।" बयान के अनुसार, सहायता राशि एनडीआरएफ से प्रदान की गई है। यह राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) में उपलब्ध वर्ष के ओपनिंग बैलेंस के 50 प्रतिशत के समायोजन के अधीन है। कुल 707.97 करोड़ रुपये की राशि में से असम के लिए 313.69 करोड़ रुपये और गुजरात के लिए 394.28 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है।
हरियाणा, मध्य प्रदेश और राजस्थान को दिए जाने वाले 903.67 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय में से 676.33 करोड़ रुपये केन्द्रीय सहायता होगी। हरियाणा के लिए 117.19 करोड़ रुपये, मध्य प्रदेश के लिए 397.54 करोड़ रुपये और राजस्थान के लिए 388.94 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। बयान में बताया गया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राज्यों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है और सभी आवश्यक सहायता प्रदान करती है। यह अतिरिक्त सहायता राज्यों को एसडीआरएफ से जारी की गई धनराशि इसे अलग है। एसडीआरएफ के तहत दी गई राशि राज्यों के पास पहले से उपलब्ध है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में, केंद्र ने एसडीआरएफ के तहत 27 राज्यों को 13,603.20 करोड़ रुपये और एनडीआरएफ के तहत 12 राज्यों को 2,024.04 करोड़ रुपये जारी किए हैं। इसके अलावे राज्य आपदा न्यूनीकरण कोष (एसडीएमएफ) से 21 राज्यों को 4,571.3 करोड़ रुपये तथा राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण कोष (एनडीएमएफ) से नौ राज्यों को 372.09 करोड़ रुपये की राशि भी जारी की गई है।

कर्नाटक में जाति जनगणना का काम नहीं हुआ पूरा; सीएम का एलान- 18 अक्तूबर तक बंद रहेंगे स्कूल

नई दिल्ली
कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैय ने मंगलवार को राज्य के सभी सरकारी और सरकार से सहाता प्राप्त स्कूलों में आठ से 18 अक्तूबर तक के अवकाश की घोषणा की है। यह फैसला इसलिए लिया गया है, ताकि शिक्षक 'सामाजिक एवं शैक्षणिक सर्वेक्षण' (जिसे जाति जनगणन कहा जा रहा है) का काम कर पूरा कर सकें।

'कुछ जिलों में पूरा हो चुका सर्वेक्षण, कुछ में देरी'
यह सर्वेक्षण मंगलवार तक पूरा किया जाना था। लेकिन कई जिलों में काम देरी हो रही है। इसके चलते मुख्यमंत्री ने अपने मंत्रिमंडल और अधिकारियों के साथ बैठक कर सर्वेक्षण की सीमा 10 और दिन बढ़ाने का फैसला लिया है। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने पत्रकारों को बताया, हम सात अक्तूबर तक सर्वेक्षण पूरा करना चाहते थे। कुछ जिलों में यह लगभग पूरा हो चुका है। लेकिन कुछ जिलों में देरी हो रही है।

आठ कार्यदिवसों में पूरा किया जाएगा सर्वेक्षण
उन्होंने कहा, उदाहरण के लिए, कोप्पल जिले में 97 फीसदी सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। जबकि उडुपी और दक्षिण कन्नड़ जिलों में यह क्रमशः 63 फीसदी और 60 फीसदी ही हुआ हा। हमारी उम्मीद के मुताबिक पूरे राज्य में सर्वेक्षण का काम पूरा नहीं हो पाया है।

महर्षि वाल्मीकि ने अपनी अमर कृति रामायण के माध्यम से यह संदेश दिया कि समाज की वास्तविक शक्ति करुणा, समानता और श्रम की गरिमा में निहित है: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

दिल्ली सरकार समरस समाज के निर्माण में जुटी: रेखा

त्रिलोकपुरी के वाल्मीकि दलित महापंचायत कार्यक्रम में शामिल हुईं सीएम

नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मंगलवार को त्रिलोकपुरी में महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर आयोजित वाल्मीकि दलित महापंचायत कार्यक्रम में शामिल हुईं। उन्होंने महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों को आज भी प्रासंगिक बताया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने अपनी अमर कृति रामायण के माध्यम से यह संदेश दिया कि समाज की वास्तविक शक्ति करुणा, समानता और श्रम की गरिमा में निहित है। पूरा देश समानता की भावना के साथ आगे बढ़ रहा है, यह सब महर्षि वाल्मीकि की शिक्षाओं के कारण ही संभव हो पाया है। गुप्ता ने

कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का जो संकल्प राष्ट्र में साकार हो रहा है, वही वाल्मीकि की शिक्षाओं का आधुनिक रूप है जहां समाज का हर वर्ग और हर व्यक्ति समान अवसर एवं सम्मान का अधिकारी है।

रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार इसी भावना के साथ समरस समाज के निर्माण में जुटी है। दिल्ली सरकार हर धर्म और संस्कृति के पर्वों को सम्मान और भव्यता के साथ मना रही है। सरकार का संकल्प है कि हर व्यक्ति को विकास, सम्मान और सहभागिता का समान अधिकार मिले और दिल्ली सांस्कृतिक तथा सामाजिक समरसता की आदर्श रामराज्य के रूप में प्रतिष्ठित हो। इस अवसर पर स्थानीय विधायक रविकांत सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी को जनसेवा के 25वें वर्ष में प्रवेश पर दी बधाई

नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जनसेवा के 25वें वर्ष में प्रवेश करने पर बधाई दी। उन्होंने प्रधानमंत्री की सेवा-यात्रा को देश के लिए प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता और वैश्विक मंच पर सम्मान की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी को जनसेवा के ऐतिहासिक 25वें वर्ष में प्रवेश करने पर हार्दिक बधाई एवं अभिनंदन।

यह तिथि भारतीय लोकतंत्र और संविधान के उच्च मूल्यों को स्थापित करते हुए ढाई दशक के अखंड सेवा-यज्ञ की स्वर्णिम यात्रा का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुई नरेन्द्र मोदी की जनसेवा ने पारदर्शिता, सुशासन और विकास की मजबूत नींव रखी, जिस पर आज सशक्त भारत का भव्य भवन खड़ा है। गुप्ता ने प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनकी नीतियों ने 'अंत्योदय' के संकल्प को साकार कर समाज के सबसे वंचित वर्ग तक विकास की रोशनी पहुंचाई। मुख्यमंत्री ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को भारत की समावेशी प्रगति का आधार बताया। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है और वैश्विक मंच पर एक मजबूत, विश्वसनीय व सम्मानित राष्ट्र के रूप में उभरा है। गुप्ता ने दिल्ली की जनता की ओर से प्रधानमंत्री मोदी के 'राष्ट्र प्रथम' की भावना और 'विकसित भारत' के स्वप्न को साकार करने के दृढ़ संकल्प की प्रशंसा की।

फर्जी कॉल सेंटर मामले में ईडी की दिल्ली-एनसीआर में 15 ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को एक 'फर्जी' कॉल सेंटर के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) सहित 15 ठिकानों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि ईडी ने टेक सपोर्ट स्कैम से जुड़े धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत मुंबई के अलावा दिल्ली, नोएडा और हरियाणा स्थित गुरुग्राम सहित 15 ठिकानों पर छापेमारी की है। इस कॉल सेंटर पर कई विदेशियों से लाखों अमेरिकी डॉलर की ठगी करने का आरोप है।

दरअसल, दिल्ली पुलिस ने करण वर्मा नाम के एक व्यक्ति और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ एक एफआईआर दर्ज की थी। ईडी ने अपनी जांच में पाया गया कि धोखेबाज दिल्ली के रोहिणी, पश्चिम विहार और राजौरी गार्डन इलाकों में कई 'फर्जी' कॉल सेंटर चला रहे थे। यह धोखेबाज खुद को चार्ल्स श्वाब फाइनेंशियल सर्विसेज, माइक्रोसॉफ्ट, एप्पल आदि जैसी कंपनियों का ग्राहक सेवा प्रदाता बताकर विदेशी नागरिकों को ठगते थे।

केंद्रीय मंत्री मनोहर ने पीएम मोदी को 24 वर्षों की जनसेवा पर दी बधाई

नई दिल्ली

केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सरकार के मुखिया के रूप में कार्य करते हुए 24 वर्ष पूरे होने पर बधाई दी।

उन्होंने उन्हें देश को वैश्विक मंच पर अलग पहचान दिलाने वाला नेता बताया। मनोहर लाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा- मां भारती की अनवरत सेवा के प्रेरक 24 वर्ष पूर्ण होने पर आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

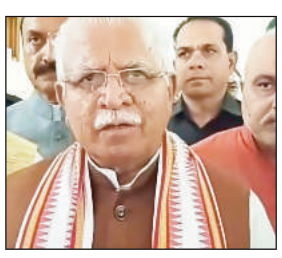

प्रेषित करता हूं। 7 अक्टूबर 2001 को उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेकर जनसेवा की जो प्रेरणादायी यात्रा आरंभ की थी, वह आज नए भारत के निर्माण का मार्गदर्शन कर रही है।

दिल्ली सरकार सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर आयोजित करेगी एकता पदयात्रा

नई दिल्ली

देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर 31 अक्टूबर को राजधानी दिल्ली में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में राज्य स्तरीय एकता पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा। यह यात्रा पटेल चौक से प्रारंभ होकर नेशनल वॉर मेमोरियल तक जाएगी। इसमें लगभग पांच हजार प्रतिभागी भाग लेंगे। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने मंगलवार को सचिवालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि दिल्ली सरकार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में राजधानी में भव्य राष्ट्रीय एकता कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। इस अवसर पर केंद्र सरकार और युवा एवं खेल मंत्रालय के आह्वान पर दिल्ली में अनेक प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ' दो माह चलने वाले इस अभियान का मुख्य संदेश एक भारत, आत्मनिर्भर भारत, एकजुट भारत, विकसित भारत के साथ-साथ युवाओं में राष्ट्रीय एकता, नशामुक्त जीवन, स्वच्छ यमुना का संदेश फैलाना है। सरदार पटेल की यह 150वीं जयंती, कश्मीर से कन्याकुमारी तक एकता की वह भावना जगाएगी जिसकी कल्पना उन्होंने स्वयं की थी। शिक्षा मंत्री सूद ने बताया कि अभियान की शुरूआत दिल्ली के 15 शैक्षिक जिलों से 150 विद्यार्थियों द्वारा यमुना नदी से जल संग्रह के साथ होगी।

यह पवित्र जल देश की 25 प्रमुख नदियों तक पहुंचाया जाएगा, जिसमें जम्मू-कश्मीर की झेलम और हैदराबाद की मूसी नदी भी शामिल हैं। इन नदियों के जल से 31 अक्टूबर को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पटेल चौक स्थित सरदार पटेल प्रतिमा का अभिषेक करेंगी और राष्ट्रीय एकता का जल संकल्प लेंगी। इस पूरी यात्रा पर आधारित एक वीडियो डॉक्यूमेंट्री भी तैयार की जाएगी, जिसका प्रदर्शन मुख्य समारोह में होगा।

यह पहल कश्मीर से कन्याकुमारी तक सरदार पटेल की एकता की कल्पना को साकार करने का प्रतीक बनेगी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि दिल्ली में 31 अक्टूबर को दिल्ली के 11 रेवेन्यू जिलों में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य स्तरीय एकता पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा, जो पटेल चौक से प्रारंभ होकर नेशनल वॉर मेमोरियल तक जाएगी। इसमें लगभग पांच हजार प्रतिभागी भाग लेंगे।

दिल्ली में लाल चंदन तस्करी का भंडाफोड़, 6 करोड़ के 10 टन चंदन की लकड़ी बरामद

नई दिल्ली

दक्षिण पूर्वी जिला पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 टन लाल चंदन की तस्करी का पदाफोड़ किया है। बरामद चंदन कीकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 6 करोड़ रुपये बताई जा रही है। आंध्र प्रदेश के तिरुपति से यह खेप दिल्ली लाई जा रही थी। पुलिस ने मौके से दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। दक्षिण पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर बताया कि यह कार्रवाई दिल्ली पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ)

और आंध्र प्रदेश इंटेलिजेंस टीम की संयुक्त मुहिम के तहत की गई। टीम ने सोमवार को तुगलकाबाद गांव स्थित गोदाम में छापा मारा, जहां से करीब 10 टन लाल चंदन बरामद किया गया। यह लकड़ी ट्रक में छिपाकर तिरुपति से दिल्ली लायी गई थी।

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि अगस्त में आंध्र प्रदेश के तिरुपति थाने में लाल चंदन की चोरी का मामला दर्ज हुआ था।

हत्या के प्रयास के मामले में वांछित आरोपित गिरफ्तार

आरोपित पिछले कई महीनों से फरार चल रहा था और अदालत द्वारा भगोड़ा घोषित था

नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के मामले में वांछित अपराधी अभिषेक उर्फ बीड़ी को गिरफ्तार किया है। आरोपित पिछले कई महीनों से फरार चल रहा था और अदालत द्वारा भगोड़ा घोषित

था। पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर आरोपित को कश्मीरी गेट के पास यमुना ब्रिज इलाके से गिरफ्तार किया। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने मंगलवार को बताया कि 18 फरवरी 2025 को गांधी विहार, मुखर्जी नगर, दिल्ली में हुई गोलीकांड की इस घटना में आरोपित अभिषेक उर्फ बीड़ी और उसके साथी तनिष, पियूष, युवी, जुनैद और कुछ अज्ञात लोगों ने मिलकर एक छात्र उज्जवल पर हमला कर गोली चला दी थी। उज्जवल एसएससी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। गोली उसके दाहिने सीने में लगी थी। वारदात के बाद सभी आरोपित मौके से फरार हो गए थे। इस मामले में तिमारपुर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि क्राइम ब्रांच की टीम को सूचना मिली थी कि वांछित आरोपित अभिषेक उर्फ बीड़ी कश्मीरी गेट के पास अपने साथी से मिलने आने वाला है। सूचना को पुख्ता कर पुलिस टीम ने जाल बिछाकर आरोपित को दबोचा।

कब और कैसे बना अपराधी

पूछताछ में आरोपित ने बताया कि उसने 11वीं तक पढ़ाई की थी। लेकिन पढ़ाई में रुचि न होने के कारण स्कूल छोड़ दिया। इसके बाद वह कुछ असामाजिक तत्वों के संपर्क में आया और धीरे-धीरे अपराध की दुनिया में उतर गया। उसने 2024 से आपराधिक गतिविधियों में हिस्सा लेना शुरू किया। फरवरी 2025 में व्यक्तिगत रंजिश के चलते उसने और उसके साथियों ने उज्जवल नामक छात्र पर गोली चलाई थी।

अमित शाह समेत कई नेताओं ने दी महर्षि वाल्मीकि जयंती की बधाई

नई दिल्ली

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर मंगलवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, हरियाणा के मुख्यमंत्री नयाब सिंह सैनी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल सहित कई नेताओं ने देशवासियों को बधाई दीं।

मोदी के सार्वजनिक जीवन के 24 साल पूरे, भाजपा ने दी बधाई

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 24 साल पूरे हो गए हैं। 7 अक्तूबर 2001 को उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी और 13 साल तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे। इसके बाद साल 2014 से देश के प्रधानमंत्री हैं। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उन्हें बधाई दी है। मंगलवार को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक्स पर कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में माँ भारती की सेवा करते हुए 24 साल पूर्ण हुए हैं। भारतीय

जनता पार्टी के सामान्य कार्यकर्ता से लेकर देश के प्रधान सेवक के रूप में मोदी जी की यात्रा के 24 वर्ष सेवा, समर्पण, जनकल्याण और राष्ट्रोत्थान के अनुकरणीय उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदीजी ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के संकल्प की सिद्धि के लिए करोड़ों वंचितों के उत्थान, देश की सामरिक सुरक्षा के साथ वैश्विक पटल पर भारत को नई पहचान दिलाई है। भारत की स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूर्ण होने पर वर्ष-2047 तक मोदीजी का विकसित भारत निर्माण का ध्येय कोटिशः कार्यकर्ताओं के लिए अनवरत कार्त्यव्यभाव के लिए समर्पित रहने की प्रेरणा प्रदान करता है। प्रधानमंत्री मोदी की राष्ट्र साधना की इस प्रेरक यात्रा के सफल 24 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा के कोटिशः कार्यकर्ताओं की ओर से हार्दिक बधाई देता हूं।

राजस्थान में छापा मार कर पुलिस ने दो ड्रग्स तस्कर पकड़े

नई दिल्ली

दक्षिण जिले के अंबेडकर नगर थाना पुलिस ने राजस्थान में छापेमारी कर दो ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान नरेंद्र कुमार और राकेश बंजारा के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से 15.422 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। दोनों ड्रग्स तस्कर मेरठ से ऐप के जरिए ड्रग्स और गांजा लेकर आगे तस्करी करते थे। आरोपित अनीत के गिरोह के तीन लोगों को पुलिस ने गत दिनों अनीत के साथ गिरफ्तार किया

था। जिनसे पूछताछ के बाद राजस्थान से नरेंद्र कुमार और राकेश बंजारा की गिरफ्तारी की गई है। पुलिस टीम ने अभी तक पकड़े गए पांच आरोपितों ने 18.62 लाख रुपए का 53.212 किलोग्राम मैंगो किस्म का गांजा, दो कार और एक बाइक बरामद की है।

पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि अंबेडकर नगर थाने की टीम ने प्रमोद कुमार, संजय चतुर्वेदी और अनित सोम नाम के ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 37.79 किलोग्राम गांजा बरामद किया था। पुलिस टीम ने आरोपितों से पूछताछ की तो पता चला कि मेरट के रहने वाले अनीत सोम को राजस्थान से ड्रग्स और गांजा भेजा जाता था। अनीत ने राजस्थान में रहने वाले अपने डीलर के बारे में जानकारी दी। जिसके बाद इंस्पेक्टर हरिंदर सिंह, एएसआई पंकज राजोरा की टीम ने आजाद नगर, सोडाला, जयपुर में छापा मार कर नरेंद्र को गिरफ्तार कर लिया।

साइबर सेल ने डिजिटल अरेस्ट ठगी गिरोह का किया भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की साइबर सेल यूनिट ने साइबर ठगी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह देशभर में फैले ऐसे अपराधियों के साथ मिलकर डिजिटल अरेस्ट के नाम पर लोगों से करोड़ों रुपये ठग रहे थे। इस मामले में एक 80 वर्षीय सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी से 42.49 लाख की ठगी की गई थी। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त आदित्य गौतम ने मंगलवार को बताया कि क्राइम ब्रांच की साइबर सेल की टीम गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए राजस्थान के पाली जिले से महेंद्र

कुमार वैष्णव (37), विशाल कुमार (25) और श्याम दास (25) को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि इन आरोपितों ने अपने बैंक खाते साइबर ठगों को 10,000 प्रति खाता के बदले उपलब्ध कराए थे। ताकि ठगे गए पैसे इन खातों के जरिए ट्रांसफर किए जा सकें।

ऐसे फंसाया गया बुजुर्ग को

पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि यह गिरोह अपने शिकार को पहले व्हाट्सऐप कॉल करता था। कॉल पर व्यक्ति को बताया जाता कि वह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) या सीबीआई की जांच के घेरे में है, क्योंकि उसके बैंक खाते से संदिग्ध लेनदेन हुए हैं। यही झांसा देकर उन्हें डिजिटल अरेस्ट की कहानी सुनाई जाती और कहा जाता कि जब तक जांच पूरी नहीं होती, उन्हें पुलिस के निर्देशों के अनुसार काम करना होगा। इसी तरह 80 वर्षीय पीड़ित को भी झूठे आरोप लगाकर घंटों फोन पर रखा गया। डर और दबाव के माहौल में बुजुर्ग से बैंक विवरण, आधार नंबर और अन्य निजी जानकारी ली गई। इसके बाद उन्हें धीरे-धीरे अपने जीवनभर की बचत, कुल 42.49 लाख विभिन्न खातों में ट्रांसफर करने को मजबूर किया गया।

जांच में सामने आए कई खाते

मामले की जांच के दौरान पुलिस ने ठगी की रकम के प्रवाह का विश्लेषण किया और आठ ऐसे बैंक खातों की पहचान की जिनके माध्यम से पैसे आगे बढ़ाए गए थे। इनमें प्रमुख खाता आरोपित महेंद्र कुमार के नाम से था। जिसमें पहले चरण में पैसे जमा कराए जाते थे। बाद में रकम को कई परतों में विभाजित कर विभिन्न राज्यों में भेजा जाता था, जिससे पुलिस को ट्रैक करने में कठिनाई हो। वहीं पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने खुलासा किया कि वे पेशेवर अकाउंट प्रोवाइडर के रूप में काम करते थे।

जी-20 ऊर्जा परिवर्तन मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेंगे मनोहर लाल

नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका के क्वाजुलु नटाल प्रांत में ऊर्जा बदलाव पर 7-10 अक्टूबर तक जी-20 मंत्री स्तरीय बैठक होगी। बैठक में केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल भारतीय प्रतिनिधित्व की अगुवाई करेंगे। दक्षिण अफ्रीकी जी-20 अध्यक्षता के तहत आयोजित ये बैठक वैश्विक ऊर्जा भविष्य को आकार देने वाले प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के ऊर्जा प्रमुखों को एक साथ लाएगी। विद्युत मंत्रालय ने मंगलवार को

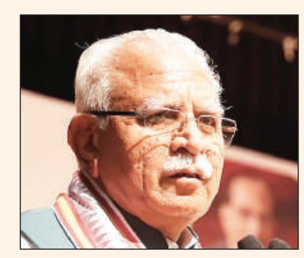

एक बयान में कहा कि बैठक में होने वाली चर्चाओं का उद्देश्य सस्ती, विश्वसनीय और दीर्घकालिक ऊर्जा तक सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना है, जो आर्थिक विकास और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की प्राप्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस बैठक के दौरान मनोहर लाल "एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य" के व्यापक दृष्टिकोण के साथ न्यायसंगत, किफायती और समावेशी ऊर्जा परिवर्तन प्राप्त करने के उद्देश्य से सहयोगात्मक वैश्विक प्रयासों के प्रति भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराएंगे। गौरतलब है कि ऊर्जा परिवर्तन कार्य समूह और ऊर्जा परिवर्तन मंत्रिस्तरीय बैठक (ईटीएमएम) का आयोजन द कैपिटल होटल, जिम्बाली, डरबन में किया जाएगा।

संपादक की कलम से

संयुक्त परिवारों का स्वर्ण युग

मानव जीवन के तीन चरण होते हैं। प्राचीन काल में, संयुक्त परिवारों में बुजुर्ग, पति/पत्नी, उनके बच्चे, मामा/मामी, उनके बच्चे, पोते-पोतियाँ, परपोते-परपोतियाँ आदि होते थे, अर्थात चार पीढ़ियाँ, परिवार की चार इकाइयाँ एक ही छत के नीचे रहती थीं। ऐसे परिवारों को संयुक्त परिवार कहा जाता है। संयुक्त परिवारों का अस्तित्व का काल समाज का स्वर्णिम काल था, क्योंकि संयुक्त परिवार की संरचना एक लघु-संगठन की तरह थी, जिसमें पंद्रह से बीस परिवार के सदस्य एक साथ रहते थे। परिवार में सबसे बड़ा बुजुर्ग साहूकार या चौधरी की भूमिका निभाता था। उनके पहनावे के साथ-साथ, बापू का खुंडा एक सामाजिक प्रतीक था।

परिवार में सबसे बड़ी बेटी को एक जिम्मेदार और सम्मानजनक स्थान प्राप्त था। बाकी सदस्य उन दोनों का सम्मान करते थे। वे उन पर विश्वास करते थे। संयुक्त परिवारों में शिष्टाचार और अच्छे व्यवहार की प्रधानता थी। परिवार में रिश्तों का सम्मान और गर्मजोशी उचित तरीके से देखी जाती थी। रिश्ते प्राकृतिक होते थे, भौतिकवादी नहीं। संयुक्त परिवारों में बच्चे दादा-दादी की देखरेख में होते थे। और वे परिवार के बाकी सदस्यों के प्यार और स्नेह से पले-बढ़े। जैसा कि कहावत है, ह्यब्याज धन से ज्यादा कीमती होता है ह्ल बच्चों का पालन-पोषण उनके दादा-दादी ने प्यार से किया। बच्चों को बड़ों की गोद और लोरियों की गर्माहट का आनंद मिला। संयुक्त परिवारों में उन्होंने अपने बड़ों से स्वाभाविक शिक्षा, अच्छी आदतें, नैतिक मूल्य, भाईचारा, सहनशीलता, संस्कृति, धैर्य, संतोष, संयम और जीवन भर की गतिविधियाँ सीखीं। संयुक्त परिवार बच्चों और युवाओं के लिए अनौपचारिक शिक्षा प्राप्त करने के स्कूल थे। संयुक्त परिवारों के अस्तित्व के दौरान, परिवारों का मुख्य व्यवसाय कृषि और पशुपालन था। स्कूली शिक्षा का व्यापक प्रसार नहीं था। परिवार के सदस्य एक-दूसरे के काम में साथ-साथ काम करते थे। वे सब मिलकर, धैर्य, संतोष और संयम के साथ अपना-अपना काम करते हुए, परिवार को आर्थिक रूप से मजबूत बनाते थे।

महिलाएँ साझी रसोई में मिलकर खाना बनातीं और सबसे बड़ी बेटी खाना परोसती, और परिवार के किसी भी सदस्य के बीच कोई भेदभाव नहीं किया जाता था। संयुक्त परिवारों में, बड़ों के सानिध्य में बच्चों का पालन-पोषण उनके जीवन में एक सुखद रंग भर देता था। आज संयुक्त परिवार टूट गए हैं। भौतिकवादी युग और आवश्यकताओं की अधिकता के कारण एकल परिवार अस्तित्व में आ गए हैं। परिवार सिकुड़ रहे हैं। एकल परिवारों में भी टूटने का खतरा मंडरा रहा है। बच्चे कम उम्र में ही विदेश जा रहे हैं। बुजुर्ग माता-पिता इधर-उधर अकेलेपन का दंश झेल रहे हैं। परिवारों में भी बुजुर्गों को बोझ समझा जाने लगा है। बुजुर्गों को वृद्धाश्रमों में धकेला जा रहा है। संवेदनशीलता कम हो गई है। समय के बदलाव के साथ बहुत कुछ बदल गया है। संयुक्त परिवारों के जमाने को याद करके, बुजुर्ग एक-दूसरे से बातें करके शांति पाते हैं। जो समय बचता है, वह है अच्छे समय की अच्छी यादों को ताजा करके। वे खर्च कर रहे हैं.

जाति की राजनीति: राष्ट्रहित में सबसे बड़ी बाधा

दिलीप कुमार पाठक

जातिवाद हमारे समाज में एक कोढ़ की तरह है, और इसकी जड़ें बहुर गहरे तक हैं ह्ल और हमारे देश की शांति झ सुकून भाईचारा, सद्भाव में सबसे बड़ा रोड़ा भी है ह्ल इससे इंकार नहीं किया जा सकता कि भेदभाव ने लोगों का शोषण किया है, परंतु अब स्थिति बदल रही है, सदियों से चली आ रही कुप्रथाओं को चुटकियों में समाप्त नहीं किया सकता, ये धीरे झ धीरे सही किया जा सकता है ह्ल अभी पिछले दिनों प्रशांत किशोर ने एक साक्षात्कार में जाति सूचक शब्द का प्रयोग किया जो उचित नहीं ठहराया जा सकता, परंतु प्रशांत किशोर पढ़े झ लिखे युवा हैं, अगर लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं तो उन्हें बड़े दिल से मुआफी मांग लेनी चाहिए इससे उनकी छवि अच्छी ही होगी ह्ल प्रशांत किशोर शिक्षित हैं युवा हैं इसलिए उनसे उम्मीद की जा सकती है कि वे पुनः किसी को अपने बयानों से आहत न करें

दूसरी बात कुछ बहुजन लोगों के ठेकेदार बनकर बैठे ही होते हैं कि कोई कुछ बोले तो हम समाज में खुदी हुई खाई को और खोद कर खुद की राजनीति चमका लें ह्ल कुछ नेताओ की जुबां इतनी गंदी है कि वे स्वर्ण समाज को गरियाने के नाम पर देवी झ देवताओ लोगों के इष्ट आदि को गरियाने पूरे समाज को गरियाने एवं समाज में लोगों की भावनाओं को भड़काने से आगे बढ़ जाते हैं, जबकि ये किसी भी सूरत में उचित नहीं है ह्ल अतिवाद अक्षम्य है ह्ल आज सारे के सारे स्वर्ण बहुजन लोगो का शोषण नहीं करते, और न ही ये गुंजाइश बची है, जो लोग पढ़ते-लिखते हैं, वे आगे बढ़ते चले जा रहे हैं, धीरे झ धीरे ही सही ये खाई भरी जा सकती है, परंतु हिंसा, कट्टरता के जरिए बढ़ी बल्कि आपसी सद्व्यवहार के जरिए ह्ल आज संविधान सभी को बराबरी का हक देता है, सभी को अपनी रोजी झ रोटी कमाने की भी स्वतंत्रता देता है ह्ल आज किसी की भी हैसियत नहीं है कि कोई किसी का शोषण करे, कुछ घटनाये होती हैं तो कानून उन्हें कुचल देता है

अब दूसरे पक्ष में रोशनी डालते हैं बीते कुछ सालों से जाति के आधार पर नेतागिरी करने वाले नेताओ की बाढ़ आ गई है, जाति के नाम पर समाज में खाई खोदने के मामले बढ़ते जा रहे हैं, इससे मुल्क का भला नहीं हो सकता ह्ल दलित झ पिछड़ा वर्ग के लोगों को अपने नेताओ का चयन सिर्फ जाति के आधार पर नहीं करना चाहिए बल्कि योग्यता एवं उसकी शख्सियत की खूबियों को देखकर ही चुनाव करना चाहिए ह्ल यही बात स्वर्ण लोगों पर भी लागू होती है अपने नेताओं का चयन योग्यता एवं उनकी शख्सियत की खूबियों के आधार पर चुनाव कीजिए, अन्यथा ये आपको आपसे में लड़ाने के बाद अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकते हैं ह्ल राजनीतिक दलों की राजनीति भी जातीय समीकरण के इर्द झ गिर्द घूमती रहती है इन्हें वही लोग चाहिए जो जाति के नाम पर वोट बटोर लाएं भले ही वो व्यक्ति चाहे जितना बड़ा अपराधी क्यों न हो!

भारत में सभी पार्टियां और संगठन जाति और धर्म के आधार पर ही बने हुए हैं। पार्टियां अपने प्रत्याशी जाति और धर्म के आधार पर ही खड़े करती है। जब तक पार्टियां ऐसे दांव-पेंच बंद नहीं करेगी तब तक मुश्किल है। ईमानदार और सच्चे समाज सेवक राजनीति में नहीं आएंगे तब तक सुधार नहीं होगा ह्ल जबकि राजनीतिक दलों को स्पष्ट करना चाहिए कि वे जाति और धर्म आधारित फैसले लेना बंद करें। अपितु सर्वजन हिताय एवं सर्वजन सुखाय राजनीति की शुरूआत करें। इससे सभी धर्म एवं जाति के लोगों में यह विश्वास उत्पन्न होगा कि उनके हितों को ध्यान रखा जाएगा। चुनाव में जाति और धर्म के आधार पर टिकटों का बंटवारा बंद हो किया जाना चाहिए। जाति और धर्म की कट्टरता को बढ़ावा देने वाली शिक्षा व्यवस्था इस देश मे बंद हो। किसी जाति और धर्म को विशेषाधिकार नहीं मिलना चाहिए। जो लोग राजनीति के लिए लोगों में भेदभाव पैदा करते हैं उनको अस्वीकार करें। मीडिया देश में सद्भावना पैदा करने के लिए प्रयास करें। मीडिया धर्म व जाति के नाम पर राजनीति करने वालों के हौसलों को बुलंद ना करे। जनता में जागरूकता पैदा करे। ऐसा होने पर धीरे-धीरे नफरत फैलाने वालों की राजनीति खत्म हो जाएगी । उच्च शिक्षा से ही भारत में जाति और धर्म आधारित राजनीति खत्म हो सकती है क्योंकि शिक्षा से ही व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है, जब हमारी उच्च शिक्षा अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुंच जाएगी तो निश्चित मानिए भारत में सभी लोग जागरूक हो जाएंगे।

अयोध्या और काशी पर बवाल भारत के लिए अशुभ

पी. सुधीर न्यायिक निर्णय, खासकर उच्च न्यायपालिका के, सूक्ष्म बारीकियों के साथ गढ़े जाते हैं ताकि 'धुएं के परदे' की तरह काम करने वाले खुरदुरे पहलुओं को छिपाया जा सके। जब तक लेखक स्वेच्छा से उनका खुलासा नहीं करते, तब तक वे कभी ज्ञात नहीं होंगे, समझे जाने की तो बात ही छोड़ दें। अयोध्या फैसले के सटीक पाठ को देखते हुए, यह विशेष रूप से सच है। यह विचित्र बात है कि अयोध्या और काशी मुद्दे फिर से उलझने लगे हैं। सर्वोच्च न्यायपालिका के आदेशों के कारण ये प्रश्न काफी समय से अधर में लटके रहे। कई लोगों के लिए, अयोध्या का फैसला एक पहेली था, क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय ने जो आदेश दिया था उससे वास्तव में बाबरी मस्जिद को आपराधिक रूप से ध्वस्त करने वालों को उसके स्वामित्व से पुरस्कृत किया जाना था और जिससे राम मंदिर के निर्माण में मदद मिलनी थी। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर का उद्घाटन करते हुए इस न्यायिक मान्यता को रेखांकित किया था। जाहिर है, इसके विपरीत, हमें स्पष्ट रूप से कहना था कि सर्वोच्च न्यायालय ने 'फैसला सुनाया है, न्याय नहीं'। लेकिन अब, पूर्व मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने पूरे सवाल को फिर से खोल दिया है। न्यूजलॉन्ड्री के श्रीनिवासन जैन को 24 सितंबर को प्रकाशित एक साक्षात्कार में, चंद्रचूड़ ने कहा, 'पुरातात्विक उत्खनन से पर्याप्त साक्ष्य मिले थे। अब, पुरातात्विक उत्खनन का साक्ष्य मूल्य क्या है, यह एक अलग मुद्दा है। मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि पुरातात्विक रिपोर्ट के रूप में साक्ष्य मौजूद हैं।' पूर्व मुख्य न्यायाधीश का विवादास्पद जवाब जैन द्वारा पूछे गए एक प्रश्न पर था: 'तर्क यह है कि (मस्जिद के) भीतरी प्रांगण पर विवाद हिंदुओं द्वारा अपवित्रीकरण और अशांति फैलाने जैसे अवैध कृत्यों का परिणाम था; यह तथ्य कि मुसलमानों ने बाहरी प्रांगण में ऐसा नहीं किया, उन्होंने इसका विरोध नहीं किया, तो यह उन्हें दंडित करने का लगभग आधार बन जाता है। यह तथ्य कि आपने विरोध नहीं किया, जबकि हिंदुओं ने किया, वास्तव में मुसलमानों के विरुद्ध है, वास्तव में निर्णय की एक आलोचनात्मक व्याख्या है।' चंद्रचूड़ ने जवाब दिया, 'जब आपने कहा कि हिंदू ही भीतरी प्रांगण को अपवित्र कर रहे थे, तो अपवित्रता के मूल कृत्य- मस्जिद के निर्माण- के बारे में क्या? आप वह सब भूल गए जो हुआ था? हम भूल गए कि इतिहास में क्या हुआ था?' न्यायिक निर्णय, खासकर उच्च न्यायपालिका के, सूक्ष्म बारीकियों के साथ गढ़े जाते हैं ताकि 'धुएं के परदे' की तरह काम करने वाले खुरदुरे पहलुओं को छिपाया जा सके। जब तक लेखक स्वेच्छा से उनका खुलासा नहीं करते, तब तक वे कभी ज्ञात नहीं होंगे, समझे जाने की तो बात ही छोड़ दें। अयोध्या फैसले के सटीक पाठ को देखते हुए, यह विशेष रूप से सच है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने साक्षात्कार में जो कहा वह पुरातात्विक निष्कर्षों के संबंध में फैसले के मूल पाठ से पूरी तरह भिन्न था। 'रिपोर्ट विवादास्पद स्थल पर पाए गए वास्तुशिल्पीय अवशेषों और संरचना की प्रकृति के आधार पर यह निष्कर्ष निकालती है कि यह हिंदू धार्मिक मूल से निकली थी। रिपोर्ट इस संभावना को खारिज करती है (सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड द्वारा जोर दिया गया) कि अंतर्निहित संरचना इस्लामी मूल की है। लेकिन एएसआई रिपोर्ट ने उसे सौंपे गए कार्य के एक महत्वपूर्ण हिस्से का उत्तर नहीं दिया है, जैसे यह निर्धारित करना कि क्या मस्जिद के निर्माण के लिए एक हिंदू मंदिर को ध्वस्त किया गया था? इस पहलू पर एक विशिष्ट निष्कर्ष देने में एएसआई की असमर्थता निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण साक्ष्य परिस्थिति है जिसे अंतिम विश्लेषण में संपूर्ण साक्ष्य के संचयी प्रभाव पर विचार करते समय ध्यान में रखा जाना चाहिए।' अह्लरङ्ग फीर्ि - समाचार मीडिया और गांधी आदेश में आगे कहा गया है कि- 'इस चरण में एक और पहलू पर ध्यान देने की आवश्यकता है और जिस पर स्वामित्व के प्रश्न का मूल्यांकन करते समय विचार किया जाएगा। वह मुद्दा यह है कि क्या स्वामित्व का निर्धारण एएसआई के निष्कर्षों के आधार पर किया जा सकता है?और क्या 1528 ई. (450 वर्ष से भी पहले) में एक पूर्ववर्ती धार्मिक संरचना (जो बारहवीं शताब्दी की है) की नींव पर एक मस्जिद के निर्माण से स्वामित्व के प्रश्न पर कोई निष्कर्ष निकल सकता है, यह एक अलग मामला है।

इस स्तर पर, यह नोट करना पर्याप्त होगा कि स्वामित्व का निर्धारण स्पष्ट रूप से एएसआई के अधिकार क्षेत्र में नहीं था। यह एक ऐसा मामला है जिस पर न्यायालय को इस निर्णय में बाद में स्वामित्व के मुद्दे पर विचार करते समय एक सुविचारित और वस्तुनिष्ठ निष्कर्ष निकालने की आवश्यकता होगी।' इसलिए, सर्वोच्च न्यायालय कभी भी इस निर्णायक निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा कि 'मस्जिद बनाने के लिए एक मंदिर को तोड़ा गया था' जैसा कि न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने साक्षात्कार में दावा किया है - 'पुरातात्विक उत्खनन से पर्याप्त साक्ष्य मिले थे'। अह्लरङ्ग फीर्ि - राजनीति से प्रेरित है गांधी से नफरत का अभियान काशी में ज्ञानवापी मस्जिद स्थल पर खुदाई की अनुमति देने और यह सिफारिश करने पर कि 'धार्मिक संरचना के स्वरूप की जांच की जा सकती है, लेकिन उसे बदला नहीं जा सकता', न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सर्वोच्च न्यायालय की पीठ द्वारा व्यक्त किए गए बेशर्म आत्म-विरोधाभास पर भी यही बहुसंख्यकवादी रुख देखा जा सकता है। पूजा स्थल अधिनियम के आलोक में, अयोध्या को छोड़कर, कोई अन्य धार्मिक स्थल कानूनी चुनौती के लिए खुला नहीं था। इसलिए, सर्वोच्च न्यायालय के रुख ने अन्य स्थलों के संबंध में विवाद, घृणा और हिंसा का मार्ग प्रशस्त किया है। न्यूजलॉन्ड्री का साक्षात्कार सार्वजनिक होने के बाद से, चारों ओर कोहराम मच गया है। हालांकि, दुर्भाग्य से सार्वजनिक चर्चा और बहस न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की भूमिका और व्यक्तित्व तक ही सीमित रही है। पूर्व मुख्य न्यायाधीश की भूमिका वाले कई अन्य फैसले संदर्भ के लिए आ रहे हैं, खासकर वे जिनमें आरएसएस-भाजपा को राजनीतिक लाभ हुआ प्रतीत होता है। निःसंदेह, यह अपरिहार्य है। लेकिन केवल व्यक्तिपरक विचार

समाचार मीडिया और गांधी

राजेश बहुगुणा

गांधी पाठकों से प्राप्त होने वाले पत्रों को न केवल समाचार पत्र में स्थान देते वरन पाठकों के पत्रों के आधार पर समाचार पत्र में अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने के लिए आलेख भी लिखते थे। गांधी ने समाचार पत्र के सामाजिक क्लब बनाने का सुझाव दिया जिसमें एक समाचार पत्र से ही समाज के अनेक लोगों को समाचार पढ़ने में कोई आर्थिक बोझ नहीं हो सकता था। इसी तरह पढ़े-लिखे पाठकों को भी गांधी सामाजिक रूप से जिम्मेदार बनाते हुए यह सुझाव भी देते हैं कि वे निरक्षर लोगों को समाचार पढ़कर सुनायें और उन्हें जागरूक करें। आजादी की लड़ाई के दौरान जब कुछ अखबार साम्प्रदायिक तनाव बिगाड़ने की कोशिश कर रहे थे, उस समय गांधी पाठकों को यह भी चेतावनी देते हैं कि हिन्दू और मुसलमानों के खिलाफ जो कुछ लोग कहें उसे बिना जांचें हरगिज न माने। समाचार पत्रों के माध्यम से ही गांधी सफल जन नेता के रूप में उभरे थे। दक्षिण अफ्रीका में समाचार पत्रों में प्रवासी भारतीयों के पक्ष में आवाज उठाने की कार्यवाही गांधी निरन्तर करते थे। समाचार पत्रों में पत्र लिखने के दौरान ही गांधी को भारतीयों की आवाज रखने के लिए अपने समाचार पत्र की जरूरत महसूस हुई जिसका परिणाम 'इंडियन ओपिनियन' समाचार पत्र था। दक्षिण अफ्रीका के आन्दोलन में इंडियन ओपिनियन समाचार पत्र की इतनी महत्वपूर्ण भूमिका थी कि महात्मा गांधी ने अपनी आत्मकथा और अपनी दूसरी पुस्तक 'दक्षिण अफ्रीका में सत्याग्रह का इतिहास' दोनों ही में इंडियन ओपिनियन पर एक अध्याय लिखा। उन्होंने स्वीकार किया है कि इस अखबार के द्वारा मुझे मनुष्य के रंग-बिरंगे स्वभाव का बहुत ज्ञान मिला। संपादक और ग्राहकके बीच निकट का और स्वच्छ सम्बन्धं स्थापित करने की ही धारणा होने से मेरे पास हृदय खोलकर रख देने वाले पत्रों का ढेर लग जाता था । उसमें तीखे, कड़वे, मीठे यों भांति-भांति के पत्र मेरे नाम आते थे। उन्हें पढ़ना, उन पर विचार करना, उनमें से विचारों का सार लेकर उत्तर देना यह सब मेरे लिए शिक्षा का उत्तम साधन बन गया था। मुझे ऐसा अनुभव हुआ मानो इसके द्वारा मैं समाज में चल रही चचाओं और विचारों को सुन रहा होऊं। मैं संपादक के दायित्व को भली-भांति

समझने लगा और मुझे समाज के लोगों पर जो प्रभुत्व प्राप्त हुआ, उसके कारण भविष्य में होने वाली लड़ाई संभव हो सकी, वह सुशोभित हुई और उसे शक्ति प्राप्त हुई। दक्षिण अफ्रीका में अल्पसंख्यक भारतीयों के हितों के लिए दक्षिण अफ्रीका की उपनिवेशी रंगभेदी सरकार के खिलाफ गांधी ब्रिटिश सरकार के न्याय पर भरोसा कर रहे थे। भारत में इसी ब्रिटिश सरकार के विरूद्ध गांधी की सीधी लड़ाई थी। प्रेस पर नियंत्रण का अनुभव गांधी को दक्षिण अफ्रीका में नहीं हुआ था। भारत में दक्षिण अफ्रीका की तुलना में अधिक शिक्षित एवं जागरूक भारतीयों को ध्यान में रखते हुये प्रेस पर नियंत्रण 18वीं सदी के अंत में ही प्रारम्भ हो गये थे किन्तु 1835 में मेटकॉफ ने भारतीय प्रेस को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कर दिया लेकिन 1857 के विद्रोह के बाद प्रेस पर सरकारी नियंत्रण भारतीय समाज के राजनैतिक जागरण के साथ बढ़ता ही गया। वायसराय कर्जन के बंगाल के विभाजन के निर्णय के खिलाफ व्यापक राष्ट्रीय आंदोलन की परिस्थितियों में ब्रिटिश सरकार ने भारत में प्रेस पर नियंत्रण के कानूनों को कठोरता से लागू किया था। भारत आने पर कुछ वर्षों तक गांधी ब्रिटिश सरकार से न्यायोचित व्यवहार की ही आशा कर रहे थे, लेकिन पंजाब में रॉलेट एक्ट और जलियांवाला बाग हत्याकांड ने ब्रिटिश सरकार के प्रति गांधी का दृष्टिकोण पूरी तरह बदल दिया। जनता को जागरूक करने में समाचार पत्रों की भूमिका दक्षिण अफ्रीका में ही अनुभव करते हुये गांधी ने भारत आने के कुछ वर्षों के भीतर ही 'नवजीवन' और 'यंग इंडिया' समाचार पत्र निकालना प्रारंभ किया कुलीन वर्ग में सीमित कांग्रेस के दरवाजे उन्होंने आम जनता के लिये खोल दिये। इसी भारतीय जनता को जागरूक करने में गांधी के सम्पूर्ण भारत में दौरे एवं भाषणों का असर तो था ही, लेकिन 'यंग इंडिया' एवं 'नवजीवन' ने भी बड़ी भूमिका निभायी थी। अह्लरङ्ग फीर्ि - राजनीति से प्रेरित है गांधी से नफरत का अभियान अपने जीवन में चार समाचार पत्रों 'इंडियन ओपीनियन' यंग इण्डिया नवजीवन और हरिजन के संचालन एवं सम्पादन के दौरान गांधी ने सैकड़ों आलेख लिखे हैं। समाचार पत्रों के साथ उनके पचास वर्ष से भी अधिक के संबंध के दौरान लिखे गये इन आलेखों के माध्यम से गांधी ने मीडिया के प्रत्येक पक्ष पर न केवल अपने विचार रखे हैं, वरन इन वर्षों में समाचार पत्र के स्वामी, सम्पादक या पत्रकार के रूप में सत्ता एवं जनता के साथ उनके कार्य व्यवहार से समाचार मीडिया पर उनकी दृष्टि भी पाठकों को स्पष्ट हो जाती है। गांधी के लिए समाचार पत्र सदैव आम जनता को शिक्षित करने और आम जनता अथवा पत्र के पाठकों के हित व दृष्टिकोण को सत्ता और सत्ता से जुड़े अन्य संस्थान के सामने रखना रहा। इसलिये गांधी जनता को सामाजिक, राजनीतिक एवं शैक्षणिक सभी स्तरों पर बेहतर एवं जागरूक करने के लिए निरन्तर प्रयत्नशील दिखते हैं।

गांधी की यह स्पष्ट राय है कि अखबारों के माध्यम से ही शासन को जनता के अभिमत का पता चलता है और यदि समाचार पत्रों पर सेंसरशिप लागू की जाती है तो फिर शासन केवल अपने अधीनस्थों की सूचना पर ही निर्भर रह जाएगा और वास्तविक जानकारी से अपरिचित रहेगा जो स्वयं शासन के लिए ही हितकर नहीं है। समाचार पत्रों की विश्वसनीयता के लिए गांधी स्पष्ट थे कि समाचार पत्र में सच्ची और विश्वसनीय खबरों को ही स्थान मिलना चाहिए। एक जगह उन्होंने यह भी कहा कि यदि खबर जिसे समाचार पत्र आवश्यकता पड़ने पर स्वयं सिद्ध नहीं कर सकते लेकिन उनके अखबार में छपती है तो वह वास्तव में अपराध ही करते हैं। समाचार पत्र अपनी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तब ही बनाये रख सकता है जबकि किसी अन्य संस्था से प्राप्त होने वाली राशि पर आर्थिक रूप से निर्भर नहीं हो इसलिए गांधी अखबारों को चलाने के लिए आय के स्त्रोत के रूप में विज्ञापनों का सहारा लेना उचित नहीं मानते। गांधी के अनुसार समाचार पत्र अपने पाठकों के नियमित ग्राहक शुल्क पर ही चलाया जाना चाहिए और यह समाचार पत्र के पाठकों की जिम्मेदारी है कि यदि वे अपने समाचार पत्र को पसंद करते हैं तो उसे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर रखने के लिए नियमित रूप से ग्राहक शुल्क प्रदान करें। गांधी को समाचार पत्रों पर सरकार की ओर से नियंत्रण का अनुभव भारत आकर ही हुआ था। भारत में समाचार पत्रों की स्वतंत्रता के लिए मुम्बई में आयोजित एक विशाल सार्वजनिक सभा में गांधी ने प्रगतिशील राज्य के लिए स्वतंत्र सार्वजनिक पत्र की आवश्यकता स्पष्ट करते हुए अपने भाषण में कहा कि-'एक स्वस्थ और प्रगतिशील राज्य के लिए स्वतंत्र सार्वजनिक पत्रों का होना पहली आवश्यक शर्त है और यह बात सभ्य लोगों के उचित राजनीतिक और नैतिक विकास के लिए जरूरी है; एवं सार्वजनिक जीवन के समस्त क्षेत्रों में स्वतन्त्रता का प्रवेश और उसका कायम रखा जाना लोगों के उत्थान, और सन्तोष तथा सरकार और लोगों के पारस्परिक विश्वास की अचूक गारंटी है।' अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता गांधी इतने उच्चतम स्तर तक रखना चाहते हैं कि उनके अनुसार- 'भाषण स्वातंर्त्य का मतलब तो यही है कि हमारे वचन कितने ही कठोर और चोट पहुंचाने वाले क्यों न हो, फिर भी उस स्वतन्त्रता पर आक्रमण न किया जाये।' समाचार पत्रों की तरह ही गांधी सम्पादक पद को भी आजीविका के लिए नहीं बल्कि लोकसेवा के लिये मान्य करते हैं। गांधी सम्पादक को यह भी सलाह देते हैं कि विरोधी पक्ष को भी अखबार में स्थान दिया जाए। गांधी समाचार पत्र को लोकप्रिय बनाये रखने के लिये स्थानीय समाचारों को भी अखबार में रखने की सलाह देते हैं।

हरियाणा शिक्षक स्थानांतरण: नीति, प्रक्रिया और उलझन

डॉ. सत्यवान सौरभ

हरियाणा में शिक्षक स्थानांतरण और पदस्थापन की प्रक्रिया वर्षों से विवादों और असंतोष का कारण रही है। शिक्षक और कर्मचारी यह महसूस करते हैं कि नीतियाँ जितनी स्पष्ट घोषणाओं में दिखाई देती हैं, उतनी ही वास्तविकता में जटिल और उलझी हुई हैं। यह मामला केवल कर्मचारियों के हित का नहीं है, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र की पारदर्शिता, निष्पक्षता और गुणवत्ता से जुड़ा हुआ है।

जब वित्त विभाग से किसी पद की स्वीकृति मिल जाती है, तब भी कई बार स्थानांतरण प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब हो जाता है। ऐसा बजट संबंधी बाधाओं, दस्तावेजी प्रक्रियाओं या प्रशासनिक स्तर पर बार- बार अनुमोदन की अनावश्यकता के कारण होता है। इस विलंब से केवल प्रक्रिया धीमी नहीं होती, बल्कि नीति के उचित और समय पर पालन में बाधा आती है। कर्मचारी महीनों तक अनिश्चितता में रहते हैं, जिससे उनका मनोबल गिरता है और शिक्षा प्रणाली की दक्षता प्रभावित होती है। दंपत्ति मामलों में, जहाँ शिक्षक अपने जीवनसाथी के साथ पदस्थापन चाहते हैं, पहले से लंबित मामलों के बावजूद पुनः जांच और अनुमोदन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाती है। इससे कर्मचारी अनावश्यक असुविधा में पड़ते हैं और यह नीति की जटिलता को स्पष्ट करता है। इससे यह भी संकेत मिलता है कि प्रशासन कई बार प्रक्रिया को जानबूझकर लंबा खींचता है।

स्थानांतरण रोकने वाले पक्षों की बात करें, तो इसमें कई स्तर शामिल हैं। लंबे समय से किसी स्थान पर तैनात कर्मचारी अपने स्थान से हटना नहीं चाहते। संघ और संगठन अपने सदस्यों के हित की रक्षा के लिए हस्तक्षेप करते हैं। इसके अलावा, प्रशासन भी अनुभवी कर्मचारियों को संवेदनशील पदों पर लंबे समय तक बनाए रखना पसंद करता है। इन सभी कारकों के कारण स्थानांतरण प्रक्रिया अक्सर संतुलित और निष्पक्ष नहीं होती।

शिक्षा मंत्री ने प्रेस में कहा था कि मध्य-अवधि स्थानांतरण लागू होंगे, लेकिन वास्तविकता में इसका कोई प्रभाव नजर नहीं आता। यह विरोधाभास कर्मचारियों में भ्रम और असंतोष पैदा करता है। घोषणाओं और वास्तविक कार्यान्वयन के बीच यह अंतर यह संदेश देता है कि केवल बयानों से नीति लागू नहीं होती।

अन्य विभागों में ऑनलाइन स्थानांतरण प्रणाली सहज रूप से लागू हो रही है, जबकि शिक्षा विभाग में यह प्रक्रिया धीमी और जटिल बनी हुई है। इसका कारण केवल तकनीकी कठिनाई नहीं है। प्रशासनिक प्रतिरोध, पारंपरिक कार्य संस्कृति और स्थानीय अधिकारियों की प्राथमिकताएँ इसमें योगदान करती हैं। जब तक सभी पक्ष पारदर्शिता और समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित नहीं करेंगे, ऑनलाइन प्रणाली प्रभावी नहीं हो सकती।

नई नियुक्तियों के समय पर्याप्त स्थान उपलब्ध होने के बावजूद स्थानांतरण में देरी होती है। इससे प्रश्न उठता है कि क्या कर्मचारियों को जानबूझकर दूर भेजा जा रहा है या कुछ को सुविधा दी जा रही है। आने वाले वर्ष में जनगणना के कारण स्थानांतरण न होने की संभावना इस प्रश्न को और गंभीर बना देती है।

प्रत्यायोजन की प्रथा भी समस्या बनी हुई है। इसके तहत अपने कर्मचारियों को विशेष पदों या स्थानों पर समायोजित किया जाता है। यह न केवल पारदर्शिता और निष्पक्षता पर प्रश्न उठाता है, बल्कि पक्षपात और प्रशासनिक भेदभाव को भी बढ़ावा देता है। यदि समय रहते इसे रोका और सुधारात्मक कदम उठाए जाएँ, तो शिक्षक और विभाग दोनों को लाभ होगा।

इन सभी जटिलताओं के बावजूद शिक्षक समुदाय चाहता है कि नीति स्पष्ट, समयबद्ध और निष्पक्ष हो। केवल घोषणाओं और प्रेस विज्ञप्तियों से समाधान नहीं होगा। आवश्यकता है कि प्रशासन ऑनलाइन प्रणाली को प्रभावी बनाए, पक्षपात और व्यक्तिगत लाभ पर आधारित निर्णयों को रोके। शिक्षक और छात्र यह विश्वास रखें कि स्थानांतरण प्रक्रिया शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता और संतुलन बनाए रखने के लिए है, न कि किसी व्यक्तिगत लाभ के लिए।

हरियाणा में शिक्षक स्थानांतरण नीति केवल जटिल और उलझी हुई नहीं है, बल्कि इसका कार्यान्वयन भी संतुलित और निष्पक्ष नहीं है। प्रशासनिक देरी, अनावश्यक अनुमोदन, पक्षपात और तकनीकी बाधाओं के कारण शिक्षक असंतोष में हैं। इसके परिणामस्वरूप शिक्षा प्रणाली पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

गैर-संक्रमणीय रोगों का केंद्र भारत

भारत में हृदय रोग, कैंसर, मधुमेह और पुरानी श्वसन संबंधी बीमारियों जैसी गैर-संक्रमणीय बीमारी (एनसीडी) की चिंताजनक वृद्धि देखी जा रही है

भारत का एनसीडी बोझ कितना बड़ा है?

वे भारत में सभी मौतों का लगभग 63% हिस्सा हैं, लेकिन अकेले यह संख्या वास्तविक संकट को पकड़ नहीं सकती। जो वास्तव में मायने रखता है वह 30 से 70 वर्ष की आयु के बीच होने वाली इन मौतों का हिस्सा है झ जिसे डब्ल्यूएचओ प्रारंभिक मृत्यु मानता है।

भारत में, एनसीडी सबसे उत्पादक वर्षों के दौरान जीवन को कम कर रहे हैं, जब लोगों की उनकी परिवारों, समुदायों और अर्थव्यवस्था द्वारा सबसे अधिक आवश्यकता होती है। यही वह जगह है जहां ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए: एनसीडी से प्रारंभिक मृत्यु को कम करना। वैश्विक स्तर पर, देशों ने 2030 तक एनसीडी मृत्यु दर को एक तिहाई कम करने के लिए सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) 3.4 के तहत प्रतिबद्ध किया है।

भारत के पास बहुत लंबा रास्ता तय करना है। वर्तमान में, भारत में एनसीडी मौतों का लगभग 25-26% 30 से 70 आयु वर्ग के बीच होता है। तुलना के लिए, यह आंकड़ा ब्राजील में लगभग 23% है, जबकि नॉर्डिक देशों या संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे विकसित राष्ट्रों में यह 10% से 15% तक करीब है।

ये आंकड़े इस बात पर जोर देते हैं कि भारत की तुलना वैश्विक औसत से क्यों नहीं हो सकती। चुनौती केवल यह नहीं है कि कितने लोग एनसीडी से मरते हैं, बल्कि जब वे मर जाते हैं। प्रारंभिक मृत्यु को रोकना सार्वजनिक स्वास्थ्य की वास्तविक प्राथमिकता है क्योंकि कोई भी परिवार, समाज और अर्थव्यवस्था अपने चरम पर लोगों को खोने का खर्च नहीं उठा सकती।

स्थिति कितनी गंभीर है?

भारत में युवा वयस्कों के बीच एनसीडी की चिंताजनक वृद्धि देखी जा रही है झ एक प्रवृत्ति जो नियमित रोकथाम जांच और प्रारंभिक स्वास्थ्य प्रचार को पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण बनाती है। एनसीडी के बीच, हृदय रोग और मधुमेह सबसे तेजी से बढ़ रहे हैं। विशेष रूप से मधुमेह जीवन में पहले ही दिखाई दे रहा है, भारत में अनुमानित 8-10 लाख बच्चे टाइप 1 मधुमेह के साथ रहते हैं।

जबकि पूर्ण संख्याएं अभी भी छोटी हैं, तरक्की का रुझान स्पष्ट है और यह एक लाल झंडा है जिसे हम नजरअंदाज नहीं कर सकते। वास्तविक चिंता यह है कि केवल एक दशक में एनसीडी का बोझ कितना तेजी से बढ़ गया है। हस्तक्षेप को जीवन भर जल्दी शुरू किया जाना चाहिए।

स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए वयस्क होने तक इंतजार नहीं करना चाहिए।

यह गर्भवती महिलाओं, बच्चों और किशोरों से शुरू होना चाहिए तथा जीवन भर जारी रहना चाहिए।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में भारी बारिश के कारण चार लोगों की मौत, 28 अन्य घायल

एजेंसी

मुल्तान। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पिछले 24 घंटों में भारी बारिश के कारण हुई अलग-अलग दुर्घटनाओं में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 28 अन्य घायल हो गए। पंजाब प्रांत के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। पंजाब में राहत एवं बचाव कार्य की निगरानी कर रहे फारूक अहमद के बयान के मुताबिक पिछले 24 घंटों में बारिश के कारण हुई अलग-अलग दुर्घटनाओ में दो बच्चों सहित चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 28 अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि फैसलाबाद में भारी बारिश के कारण घर की छत गिरने से 12 साल की एक नाबालिग लड़की और आठ साल के एक लड़के की मौत हो गई, जबकि सात अन्य लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि ननकाना साहिब में एक 70 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कसूर में भी एक 65 वर्षीय व्यक्ति की मौत की खबर है। अहमद ने बताया कि समुंद्री, जरानवाला और काकरवाला में बारिश के कारण घरों की छत गिरने की अलग-अलग घटनाओं में कम से कम छह लोग घायल हो गए। इसके साथ ही चक में चार, मनावाला में तीन और फकीरवाली, अल्लाहाबाद और साहीवाल में अलग-अलग घटनाओं में पांच लोगों के घायल होने की खबर है।

ड्रोन हमले के बाद रूस की किरिशी रिफाइनरी का सबसे बड़ा यूनिट बंद

मॉस्को। रूस की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरियों में से एक किरिशी ऑयल रिफाइनरी को ड्रोन हमले और उसके बाद लगी आग के कारण अपना मुख्य क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट (सीडीयू-6) बंद करना पड़ा है। उद्योग सूत्रों के अनुसार, यह हमला 04 अक्टूबर को हुआ था और इस यूनिट की मरम्मत में करीब एक माह का समय लग सकता है। यह बंदी उस समय हुई है जब रूस ईंधन संकट से जूझ रहा है। देश में कई लोकप्रिय किस्मों के पेट्रोल की कमी चल रही है, जबकि यूक्रेनी ड्रोन हमलों ने ऊर्जा ढांचे को बार-बार निशाना बनाया है। सूत्रों के मुताबिक, सीडीयू-6 की क्षमता 8 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (लगभग 1.6 लाख बैरल प्रतिदिन) है, जो रिफाइनरी की कुल प्रसंस्करण क्षमता का करीब 40 प्रतिशत हिस्सा है। रिफाइनरी का संचालन सर्गुतनेफ्तेगाज कंपनी के अधीन है, जिसने फिलहाल टिप्पणी करने से इनकार किया है। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि कंपनी ने सितंबर में ड्रोन हमले से क्षतिग्रस्त अपने दूसरे प्रमुख यूनिट को फिर से चालू कर दिया है। सीडीयू-6 के रखरखाव के दौरान रिफाइनरी 70 प्रतिशत क्षमता पर काम करती रहेगी, अन्य यूनिट्स के अधिकतम उपयोग से उत्पादन में गिरावट को आंशिक रूप से संतुलित किया जाएगा।2024 में इस रिफाइनरी ने 17.5 मिलियन टन कच्चे तेल का प्रसंस्करण किया था, जो रूस की कुल तेल रिफाइनिंग क्षमता का 6.6 प्रतिशत था। इस अवधि में रिफाइनरी ने 2 मिलियन टन पेट्रोल, 7.1 मिलियन टन डीजल, 6.1 मिलियन टन फ्यूल ऑयल, और 6 लाख टन बिटुमेन का उत्पादन किया था।

दारफुर नरसंहार : आईसीसी ने पहले मिलिशिया नेता को युद्ध अपराधों का दोषी ठहराया

द हेग। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) ने सूडान के दारफुर क्षेत्र में बीस साल पहले किए गए अत्याचारों के मामले में पहली बार किसी मिलिशिया नेता को दोषी ठहराया है। अदालत ने अली मुहम्मद अली अब्द-अल-रहमान को मानवता के विरुद्ध अपराधों और युद्ध अपराधों के 27 मामलों में दोषी पाया है, जिनमें हत्या, बलात्कार और उत्पीड़न शामिल हैं।अदालत ने कहा कि सजा की अवधि बाद में निर्धारित की जाएगी, जिसके लिए अलग से सुनवाई होगी। यह मामला 2005 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने आईसीसी को सौंपा था, जो सूडान से जुड़ा यह पहला और एकमात्र मुकदमा है, जिससे यह निर्णय अंतरराष्ट्रीय न्याय के इतिहास में एक मील का पत्थर माना जा रहा है। गौरतलब है कि अभी भी सूडान के कई वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट लंबित हैं, जिनमें पूर्व राष्ट्रपति ओमर अल-बशीर भी शामिल हैं, जिन पर जनसंहार के आरोप हैं।

मैरी ब्रुनको, रामस्डेल और सकागुची को मिलेगा चिकित्सा क्षेत्र का नोबेल पुरस्कार

स्टॉकहोम। वर्ष 2025 के लिए चिकित्सा क्षेत्र के नोबेल पुरस्कार की घोषणा कर दी गयी। इस साल तीन वैज्ञानिकों- मैरी ई. ब्रुनको, फ्रेड रामस्डेल और शिमोन सकागुची को यह पुरस्कार मिला है। तीनों को पेरिफेरल इम्यून टॉलरेंस (परिधीय प्रतिरक्षा सहिष्णुता) से संबंधित खोज के लिए यह पुरस्कार दिया गया है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने चिकित्सा क्षेत्र के नोबेल पुरस्कार विजेताओं के नाम का ऐलान किया। इन तीनों को 10 दिसंबर को स्टॉकहोम में 10.3 करोड़ रुपये, गोल्ड मेडल और प्रमाण पत्र पुरस्कार के तौर दिया जाएगा। ब्रुनको, रामस्डेल और सकागुची ने इम्यून सिस्टम के सुरक्षा गार्ड यानी रेगुलेटरी टी-सेल्स की पहचान की, जो यह सुनिश्चित करती हैं कि इम्यून सेल हमारे अपने शरीर पर हमला न करें। इसके आधार पर कैंसर और ऑटोइम्यून रोगों के इलाज खोजे जा रहे हैं। इसके अलावा इन खोजों की मदद से अंग प्रत्यारोपण में भी मदद मिल रही है। दरअसल, हमारा इम्यून सिस्टम हर दिन हजारों-लाखों सूक्ष्मजीवों से हमारी रक्षा करता है। ये सभी सूक्ष्मजीव अलग-अलग दिखते हैं। कई ने तो अपने आप को मानव कोशिकाओं जैसा दिखाने की क्षमता विकसित कर ली है, जिससे इम्यून सिस्टम को यह पहचानना मुश्किल हो जाता है कि हमला किस पर करना है और किसकी रक्षा करनी है। चिकित्सा क्षेत्र के नोबेल पुरस्कार को आधिकारिक तौर पर 'फिजियोलॉजी या मेडिसिन' का नोबेल पुरस्कार कहा जाता है। पिछले साल का पुरस्कार अमेरिकी नागरिक विक्टर एम्ब्रोस और गैरी रुवकुन को सूक्ष्म राइबोन्यूक्लिक एसिड (आरएनए) की खोज के लिए प्रदान किया गया था।

पाकिस्तान अपने ही लोगों पर बमबारी करता है, दुनिया सब जानती है : भारत

एजेंसी

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पार्वथानेनी हरीश ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस में पाकिस्तान पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की नजर भारतीय भू-भाग खासकर जम्मू-कश्मीर पर है। हर वर्ष भारत की पाकिस्तान भ्रामक निंदा करता है। यह वही देश है, जो अपने लोगों पर बमबारी करता है। सुनियोजित नरसंहार करता है। 1971 का ऑपरेशन सर्चलाइट इसका गवाह है। दुनिया पाकिस्तान के दुष्प्रचार को समझती है। इस बहस का विषय महिला, शांति और सुरक्षा रहा। न्यूयॉर्क स्थित भारत का स्थायी मिशन ने छह अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में दिए गए राजदूत पार्वथानेनी हरीश का पूरा वक्तव्य जारी किया है। वक्तव्य के अनुसार, पार्वथानेनी ने कहा कि पाकिस्तान वही देश है, जो केवल गुमराह करने और अतिशयोक्ति से दुनिया का ध्यान

भटकाने की कोशिश कर सकता है। यह वही देश है जिसने 1971 में ऑपरेशन सर्चलाइट चलाया और अपनी ही सेना को 4,00,000 महिलाओं के नरसंहारी सामूहिक बलात्कार के सुनियोजित अभियान को मंजूरी दी थी। उन्होंने कहा कि भारत महिला, शांति और सुरक्षा एजेंडे के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में अटल है। भारत अपने सहयोगियों, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा करने और साझा चुनौतियों के सामूहिक समाधान को बढ़ावा देने के लिए तत्पर है। वैश्विक शांति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की अभिव्यक्ति के रूप में भारत ने संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में निरंतर योगदान दिया है। 1960 के दशक की शुरुआत में प्रस्ताव 1325 को अपनाने से बहुत पहले भारत ने कांगो में महिला चिकित्सा अधिकारियों को तैनात किया था। यह संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में महिलाओं की सेवा के शुरुआती उदाहरणों में से एक था। स्थायी प्रतिनिधि हरीश ने कहा कि इस प्रारंभिक प्रतिबद्धता की अभिव्यक्ति 2007 में और भी स्पष्ट हुई, जब भारत ने संयुक्त राष्ट्र के इतिहास में पहली बार पूरी तरह से महिला पुलिस इकाई लाइबेरिया में तैनात की।

इसने लाइबेरिया के समाज में एक बदलाव को गति दी। महिलाएं रक्षक और आदर्श दोनों हो सकती हैं। यह पहल वास्तव में एक क्रांतिकारी बदलाव साबित हुई। उन्होंने कहा कि महिला शांति सैनिकों को आगे बढ़ाने में भारत के नेतृत्व का उदाहरण भारतीय पुलिस सेवा की पहली महिला अधिकारी डॉ. किरण बेदी की 2003 में पहली महिला पुलिस सलाहकार और संयुक्त राष्ट्र पुलिस प्रभाग की प्रमुख के रूप में नियुक्ति से मिलता है।

बलोचिस्तान में जाफ़र एक्सप्रेस में विस्फोट, छह डिब्बे बेपटरी

एजेंसी

क्वेटा। पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत में जाफ़र एक्सप्रेस में हुए एक शक्तिशाली विस्फोट में कई लोगों के घायल होने की खबर है। हमले की जिम्मेदारी बलोच रिपब्लिक गार्ड्स (बीआरजी) ने ली है। बीआरजी का दावा है कि इस हमले में पाकिस्तान के कई सैनिक मारे गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को सिंध-बलोचिस्तान सीमा के करीब सुल्तानकोट इलाके के पास क्वेटा जाने वाली जाफ़र एक्सप्रेस को निशाना बनाया गया। यह विस्फोट पटरियों पर लगाए गए एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से किया गया, जिससे क्वेटा जाने वाली यात्री ट्रेन के कम से कम छह डिब्बे पटरी से उतर गए। इस बीच बलोच

लड़ाकों के समूह बलोच रिपब्लिक गार्ड्स (बीआरजी) ने एक बयान में कहा कि ट्रेन पर उस समय हमला किया गया जब पाकिस्तानी सेना के जवान उसमें यात्रा कर रहे थे। विस्फोट में कई सैनिक मारे गए हैं जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। हमले के कारण ट्रेन के छह डिब्बे पटरी से उतर गए। बीआरजी इस हमले की ज़िम्मेदारी लेता है और घोषणा करता है कि बलोचिस्तान की आज़ादी तक ऐसे हमले जारी रहेंगे। इस बीच बचाव दल एवं सुरक्षा बल मौके पर पहुंच गए हैं। सोशल मीडिया पर विस्फोट स्थल से साझा की गई तस्वीरों में दिखाया गया है कि विस्फोट में कई लोग घायल हुए हैं। हालांकि, अभी तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव कार्यतालिका सार्वजनिक किए जाने का माओवादी पार्टी का समर्थन

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की माओवादी पार्टी ने निर्वाचन आयोग द्वारा आम चुनाव की कार्यतालिका सार्वजनिक किए जाने का स्वागत किया है। पार्टी अध्यक्ष पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड ने माओवादी नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों को चुनाव की तैयारी में जुटने का निर्देश दिया है। राजधानी के पार्टी मुख्यालय मे मंगलवार को बुलाई गई पार्टी पदाधिकारियों की बैठक में सभी से चुनाव कार्य में जुटने की अपील की गई है।

प्रचण्ड ने तय समय पर चुनाव करने के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा सार्वजनिक की गई कार्यतालिका का स्वागत किया है। माओवादी प्रवक्ता अग्नि प्रसाद सपकोटा ने कहा कि आगामी प्रतिनिधि सभा चुनावों का सफल संचालन सुनिश्चित करने के लिए भंग संसद में प्रतिनिधित्व करने वाले राजनीतिक दलों के साथ भी चर्चा किए जाने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि माओवादी पार्टी निर्धारित तिथि में चुनावों को सुविधाजनक बनाने के लिए सकारात्मक

वातावरण बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। प्रवक्ता सपकोटा ने बताया कि चुनाव में भागीदारी के संबंध में सभी दलों के बीच रचनात्मक चर्चा हो रही है, जो चुनाव के साथ आगे बढ़ने पर आम सहमति का संकेत देती है।माओवादी पार्टी का मानना है कि संघीय लोकतांत्रिक गणतंत्र, संविधान और अन्य राजनीतिक उपलब्धियों की रक्षा के लिए चुनाव आवश्यक है। पार्टी बैठक के दौरान माओवादी अध्यक्ष प्रचण्ड ने जोर देकर कहा कि चुनाव निर्धारित तिथि में होने चाहिए। उन्होंने चुनाव में सभी राजनीतिक दलों की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया।

पुतिन और नेतन्याहू ने की मध्य पूर्व के हालात पर चर्चा

एजेंसी

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच फोन पर हुई बातचीत में मध्य पूर्व की मौजूदा स्थिति पर चर्चा हुई। क्रेमलिन प्रेस सेवा के हवाले से रूस की आधिकारिक समाचार एजेंसी तास ने यह जानकारी दी। इसमें कहा गया कि व्लादिमीर पुतिन ने नेतन्याहू से गाजा पट्टी में सामान्यीकरण के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना पर भी चर्चा की। क्रेमलिन प्रेस सेवा ने बताया कि पुतिन और नेतन्याहू ने छह अक्टूबर की शाम हुई बातचीत के दौरान सीरिया और ईरानी परमाणु मुद्दे पर भी चर्चा की। इसमें कहा गया, दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय विषयों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। दोनों ने ईरानी परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी स्थिति और सीरिया में और अधिक स्थिरता लाने के लिए बातचीत के जरिए समाधान खोजने की इच्छा व्यक्त की। उल्लेखनीय है कि ईरान के खिलाफ इजराइल के सैन्य अभियान और ईरानी परमाणु स्थलों पर अमेरिकी हवाई हमलों के बीच इस साल ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच पांच दौर की परमाणु वार्ता का कोई नतीजा नहीं निकला। नौ सितंबर को ईरान और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने मिस्र में सहयोग फिर से शुरू करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। जून में इजराइल और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा किए गए हमलों के बाद इसे स्थगित कर दिया गया था।29 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने रूस और चीन के उस मसौदा प्रस्ताव को खारिज कर दिया, जिसमें ईरानी परमाणु समझौते का समर्थन करने वाले प्रस्ताव संख्या 2231 को छह महीने के लिए बढ़ाने का प्रावधान था। संयुक्त राष्ट्र के ईरान-विरोधी प्रतिबंध 28 सितंबर से लागू हैं। पांच अक्टूबर को ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने चेतावनी दी कि तेहरान को ढ्अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के साथ सहयोग के अपने फैसलों पर पुनर्विचार करना होगा। क्योंकि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रतिबंधों के बाद काहिरा समझौता अपनी प्रासंगिकता खो चुका है। सीरिया की स्थितिः सीरिया में सशस्त्र विपक्षी इकाइयों ने नवंबर 2024 के अंत में अलेप्पो और इदलिब प्रांतों में सरकारी सैनिकों पर बड़े पैमाने पर हमला किया। 8 दिसंबर को वे दमिश्क में घुस गए, जबकि राष्ट्रपति बशर अल-असद ने पद छोड़ दिया और देश छोड़कर भाग गए। हयात तहरीर अल-शाम समूह (रूस में प्रतिबंधित) के नेता अहमद अल-शरा सीरिया के वास्तविक नए नेता बन गए। 29 जनवरी को, उन्होंने अंतरिम अवधि के लिए खुद को कार्यवाहक राष्ट्रपति घोषित किया, जो उनके अनुसार, चार से पांच साल तक चलेगी।

हमास और इजराइल ने वार्ता के पहले दौर में सकारात्मक रुख अपनाया

एजेंसी

शर्म अल-शेख (मिस्र)। आतंकवादी समूह हमास और इजराइल के प्रतिनिधियों के बीच गाजा वार्ता का पहला दौर यहां सकारात्मक माहौल में आज सुबह समाप्त हो गया। सोमवार शाम से शुरू इस वार्ता के कई दिन तक जारी रहने के आसार हैं। यह वार्ता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की युद्धविराम योजना पर केंद्रित है। द अरब न्यूज के अनुसार, मिस्र के सरकारी मीडिया अल-कहेरा न्यूज ने मंगलवार सुबह बताया कि हमास और मध्यस्थों के बीच गाजा वार्ता का पहला दौर सकारात्मक माहौल के बीच मिस्र में समाप्त हो गया है। वार्ता आज भी जारी रहेगी। बंद दरवाजों के पीछे और कड़ी सुरक्षा के बीच यह बातचीत इजराइल के कतर पर हमला करके हमास के प्रमुख वार्ताकारों को मारने की कोशिश के कुछ हफ्ते बाद शुरू हुई है। अल-क़हेरा न्यूज के अनुसार दोनों प्रतिनिधिमंडल के बीच चर्चा बंदियों और कैदियों की रिहाई के तौर-तरीकों पर विचार-विमर्श के साथ शुरू हुई। इसमें कहा गया है कि मिस्र और कतर के मध्यस्थ इजराइली जेलों में बंद फिलिस्तीनियों के बदले गाजा में बंधकों की रिहाई के लिए एक व्यवस्था स्थापित करने

के लिए दोनों पक्षों के साथ काम कर रहे हैं। उधर, ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा कि उन्हें पूरी तरह यकीन है कि शांति समझौता संभव है। हमास के प्रमुख वार्ताकार खलील अल-हय्या ने वार्ता से पहले मिस्र के खुफिया अधिकारियों के साथ एक बैठक की। बताया गया है कि सात अक्टूबर, 2023 को हमास के हमले और उसके बाद हुए युद्ध की दूसरी बरसी की पूर्व संध्या पर शुरू हुई वार्ता का यह दौर कई दिनों तक चल सकता है। मिस्र के अखबार अल-अहरम की रिपोर्ट के अनुसार, इस बीच ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ और दामाद जेरेड कुशनर ने वार्ताकारों से गाजा में युद्ध समाप्त करने के लिए तेजी से कदम उठाने का आग्रह किया है। उधर, ट्रंप की इस योजना में हमास के निरस्त्रीकरण की परिकल्पना की गई है। इसे समूह के स्वीकार किए जाने की संभावना नहीं है। गाजा पर युद्ध शुरू करने के बाद से इजराइल ने बार-बार वार्ता को बाधित किया है। इस बार यह वार्ता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 20 सूत्रीय रूपरेखा पर आधारित है। हमास ने कहा है कि उसकी मांगों में गाजा से पूरी तरह से इजराइली सेना की वापसी, स्थायी युद्धविराम और इजराइली जेलों में बंद फिलिस्तीनियों के बदले जीवित और मृत, बचे हुए बंदियों की अदला-बदली शामिल है। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इज़राइली बमबारी में 67,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं और लगभग 1,70,000 घायल हुए हैं। इस युद्ध ने गाजा की 24 लाख की 90 प्रतिशत आबादी को कई बार विस्थापित किया है। इजराइल के प्रतिनिधिमंडल में खुफिया अधिकारी और सलाहकार शामिल हैं। मुख्य वार्ताकार रॉन डर्मर के वार्ता की प्रगति के आधार पर इस सप्ताह के अंत में शामिल होने की उम्मीद है।

बांग्लादेश में उदयन एक्सप्रेस का इंजन और तीन डिब्बे पटरी से उतरे

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में सिलहट के दक्षिण सुरमा उपजिले के मोगलाबाजार में आज सुबह ढाका जा

रही उदयन एक्सप्रेस का इंजन और तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। इससे सिलहट और देश के बाकी हिस्सों के बीच रेल सेवाएं बाधित हो गईं। यह दुर्घटना सुबह लगभग 6:40 बजे हुई। इस वजह से ढाका के लिए रवाना होने वाली कालनी एक्सप्रेस सिलहट रेलवे स्टेशन पर फंसी रही। ढाका ट्रिब्यून और द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, सिलहट जीआरपी पुलिस स्टेशन के प्रभारी अब्दुल कुद्दुस ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि एक रेल लाइन को फिर से खोलने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने बताया कि उदयन एक्सप्रेस चटगांव से आ रही थी। सिलहट रेलवे स्टेशन के प्रबंधक नूरुल इस्लाम ने बताया कि इस घटना में कई यात्रियों को मामूली चोटें आईं। स्टेशन प्रबंधक ने बताया कि एक बचाव ट्रेन और पुलिस दल मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया।

बलोचिस्तान में हथियारबंद लोगों ने जज और पाकिस्तान की सेना ने चार लोगों को अगवा किया

एजेंसी

क्वेटा (बलोचिस्तान)। पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत के खारान जिले में हथियारबंद लोगों ने अदालत की इमारत में आग लगा दी और न्यायाधीश मोहम्मद जान बलोच का अपहरण कर लिया। अभी तक किसी ने भी इस घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है। उधर, पाकिस्तान की सेना ने एक महिला समेत चार लोगों को अगवा कर लिया है। द बलोचिस्तान पोस्ट (पश्तो भाषा) की 06 अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार, खारान में बड़ी संख्या में हथियारबंद लोगों ने अदालत की इमारत को घेर कर आग लगा दी। इसके बाद न्यायाधीश जान का अपहरण कर लिया। गौरतलब है कि बलोचिस्तान में हाल के दिनों में वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के अपहरण की

घटनाओं में वृद्धि हुई है। इससे पहले, केच जिले के तांप क्षेत्र के डिप्टी कमिश्नर और जियारत जिले के डिप्टी कमिश्नर के बेटे का भी अपहरण हो चुका है। बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट ने डिप्टी कमिश्नर के अपहरण की जिम्मेदारी ली थी। उन्हें बाद में रिहा कर दिया गया, जबकि जियारत डीसी का बेटा समित अभी भी लापता है। इस बीच पाकिस्तानी सेना ने खुजदार जिले की तहसील जाहरी कर्फ्यू लगाते हुए सभी प्रवेश और निकास मार्गों को सील कर दिया है। इस तहसील के नूरगामा शहर में इस समय बड़ी संख्या में पाकिस्तानी सेना मौजूद है।

पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने घरों पर छापा मारकर एक महिला समेत चार लोगों को अगवा कर लिया है। महिला की पहचान सफिया बीबी के रूप में हुई है, जबकि पुरुषों की पहचान जाहिद वुल्द अजीज, आसिफ बलूच और असद के रूप में हुई है।

चीन का अमेरिकी राजदूत पर झूठ फैलाने का आरोप

एजेंसी

न्यूयॉर्क। लैटिन अमेरिकी देश पनामा में चीन के राज दूतावास ने वहां तैनात अमेरिकी राजदूत पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया है ताकि चीन के साथ क्षेत्रीय देशों के संबंधों को कमजोर किया जा सके। गौरतलब है कि पनामा के एक डिजिटल मीडिया आउटलेट को दिए एक साक्षात्कार में अमेरिका के पनामा में राजदूत केविन कैब्रेरा ने कहा कि अमेरिकी प्रशासन पनामा नहर में चीन की मौजूदगी को दुष्टता मानता है। उन्होंने दावा किया कि चीन सरकार भ्रष्टाचार के जरिए लैटिन अमेरिकी देश के साथ धोखाधड़ी कर रही है, जबकि अमेरिकी कंपनियां ऐसे कामों में लिप्त नहीं हो सकती हैं।उन्होंने चिली, पेरू और इक्वाडोर में चीन की परियोजनाओं को विनाशकारी बताया और उसकी निकारागुआ में प्रस्तावित नहर योजना को पर्यावरण के लिए नुकसानदेह बताया। कैब्रेरा ने चीन पर कोस्टा रिका, ग्वाटेमाला और पराग्वे में साइबर हमलों का आरोपभीलगाया और हुआवे की 5जी तकनीक को ÷अविश्वसनीय÷ बताया। इस बीच कैब्रेरा के साक्षात्कार के कुछ घंटों बाद ही चीनी दूतावास ने एक बयान जारी कर कहा कि अमेरिकी राजदूत ने एक बार फिर चीन से संबंधित मुद्दों पर झूठ फैलाया है। दूतावास ने कहा कि उनके बयान तथ्यात्मक आधार और वैज्ञानिक तर्क से रहित है और यह चीन और क्षेत्रीय देशों के बीच फूट डालने, उनकी कूटनीतिक स्वायत्तता छीनने और अमेरिकी भू-राजनीतिक हितों को बढ़ावा देने÷ का प्रयास है।चीनी दूतावास ने कहा कि चीन लगातार अपनी कंपनियों को स्थानीय कानूनों का पालन करने के लिए कहता है और उनकी परियोजनाएं स्थानीय आर्थिक और सामाजिक विकास में योगदान देती हैं। उन्होंने अमेरिकी राजदूत के बयान को क्षेत्रीय देशों की समझदारी पर सवाल उठाना और स्थानीय जनता की बुद्धिमत्ता का अपमान बताया। चीनी दूतावास ने कहा, चीन के दोस्त पूरी दुनिया में हैं और सच्चे दोस्तों को डराया नहीं जा सकता। चीनी दूतावास ने आरोप लगाया कि अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा हैकिंग और निगरानी साम्राज्य है।

दूतावास ने अमेरिका से अपने अहंकार और पूर्वाग्रह को छोड़ने की अपील भी की। गौरतलब है कि वैश्विक व्यापार के लिए एक रणनीतिक केंद्र समझे जाने वाला पनामा, चीन और अमेरिका के बीच प्रतिस्पर्धा का केंद्र बन गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर से चुने जाने के बाद कई बार पनामा नहर को वापस लेने की बात कही है, जिसे अमेरिका ने 1999 में पनामा को सौंप दिया था।

महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा में 35 फीसदी बढ़ोतरी, यूएन ने जताई चिंता

संयुक्त राष्ट्र । संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने महिला, शांति और सुरक्षा एजेंडे में प्रगति की कमी को लेकर चिंता जाहिर की है। यूएन ने यह भी बताया कि महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा में वृद्धि हुई है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, सुरक्षा परिषद की महिला, शांति और सुरक्षा पर वार्षिक चर्चा में उन्होंने कहा, पूरे विश्वास और प्रतिबद्धता के साथ हम अक्सर इस तरह से इकट्ठा होते हैं, लेकिन जब संघर्ष में फंसी महिलाओं और लड़कियों के जीवन में वास्तविक बदलाव की बात आती है, तो हम पीछे रह जाते हैं।÷ उन्होंने कहा, ÷हम समावेशिता की बात करते हैं, फिर भी अक्सर महिलाएं चर्चा में भागीदारी से अनुपस्थित रहती हैं। हम सुरक्षा की बात करते हैं, फिर भी यौन हिंसा बेखौफ जारी रहती है। हम नेतृत्व की बात करते हैं, फिर भी महिला शांतिदूतों को कम पैसे मिलते हैं, उन्हें खतरा है, और उन्हें कम मान्यता मिलती है। इससे न केवल महिलाओं को, बल्कि पूरे समाज को नुकसान होता है, फिर चाहें महिलाएं हों या पुरुष, लड़कियां हों या लड़के। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि महिलाओं, शांति और सुरक्षा के एजेंडे पर सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1325 को अपनाए जाने के पच्चीस साल बाद भी, स्थिति काफी चिंताजनक है और उल्टी दिशा में जा रही है उन्होंने कहा कि दुनिया भर में सैन्य खर्च और सशस्त्र संघर्षों में बढ़ोतरी हो रही है, लेकिन महिलाओं व लड़कियों के खिलाफ हिंसा के चिंताजनक रुझान देखने को मिल रहे हैं।

अमेरिका में शटडाउन से संकट बढ़ा, राष्ट्रपति ट्रंप स्वास्थ्य सेवा पर डेमोक्रेट्स से वार्ता को तैयार

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में सरकारी शटडाउन का असर हवाई सेवा पर भी पड़ा है। स्टाफ की कमी के कारण बरबैंक हवाई अड्डा बिना यातायात नियंत्रकों के संचालित हो रहा है। सीनेट के वित्त पोषण विधेयक को फिर से खारिज करने के कारण संकट गहरा गया है। सरकारी शटडाउन दूसरे सप्ताह में प्रवेश कर गया। अमेरिकी सरकार को फंड देने और शटडाउन को समाप्त करने के दो परस्पर विरोधी उपाय सीनेट में पांचवीं बार विफल रहे। इस गतिरोध के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के रुख में नरमी आई है। वह डेमोक्रेट्स से बातचीत करने पर सहमत हो गए हैं। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार सरकारी शटडाउन को समाप्त करने पर गतिरोध एक और हफ्ते तक खिंचता दिख रहा है। दोनों दल फंडिंग में कमी के लिए एक-दूसरे पर दोष मढ़ रहे हैं। सीनेट के रिपब्लिकन सदन में की जा रही कोशिश अब तक कामयाब नहीं हो सकी है। डेमोक्रेटिक नेता अपनी इस मांग पर अड़े हैं कि फंडिंग उपाय में स्वास्थ्य बीमा कर क्रेडिट का विस्तार शामिल हो। स्पीकर माइक जॉनसन मौजूदा स्थिति से हताश हैं। सीनेट के अल्पसंख्यक नेता चक शूमर ने रविवार को तर्क दिया कि शटडाउन का

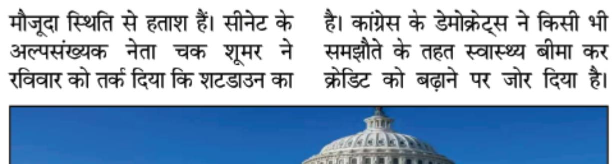

समाधान केवल कांग्रेस नेताओं और राष्ट्रपति के बीच बैठक से ही संभव होगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि शटडाउन के समाधान की दिशा में प्रगति हो रही है। कांग्रेस के डेमोक्रेट्स ने किसी भी समझौते के तहत स्वास्थ्य बीमा कर क्रेडिट को बढ़ाने पर जोर दिया है। रिपब्लिकंस का कहना है कि स्वास्थ्य सेवा पर चर्चा शटडाउन खत्म होने के बाद ही होनी चाहिए। इस बीच स्टाफ की कमी के कारण दक्षिणी कैलिफोर्निया स्थित हॉलीवुड बरबैंक हवाई अड्डा बिना हवाई यातायात नियंत्रकों के संचालित हो रहा है। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने इस स्थिति के लिए सरकारी शटडाउन को जिम्मेदार ठहराया है। संघीय उड्डयन प्रशासन ने एक सलाह में कहा कि हवाई अड्डे पर शाम 4¬15 बजे से रात 10 बजे तक कोई हवाई यातायात नियंत्रक नहीं होने की संभावना है। न्यूसम ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में राष्ट्रपति ट्रंप पर निशाना साधते हुए लिखा, आपकी सरकार के बंद होने के कारण आज शाम 4¬15 बजे से रात 10 बजे तक बरबैंक हवाई अड्डे पर कोई भी हवाई यातायात नियंत्रक नहीं है। परिवहन सचिव सीन डफी ने शटडाउन के लिए डेमोक्रेट्स को दोषी ठहराते हुए प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने एक्स पर लिखा¬ यदि आप किसी को दोषी ठहराना चाहते हैं तो आईने में देखें। हम सभी जानते हैं कि यह आपका पसंदीदा काम है। ट्रंप ने कहा है कि वह स्वास्थ्य सेवा पर डेमोक्रेट्स के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं, लेकिन केवल तभी जब वे फंड उपलब्ध कराने के लिए मतदान करेंगे। राष्ट्रपति ने ट्रुथ सोशल पोस्ट पर लिखा, मुझे डेमोक्रेट्स के साथ उनकी असफल स्वास्थ्य सेवा नीतियों या किसी भी अन्य मुद्दे पर काम करने में खुशी होगी, लेकिन पहले उन्हें हमारी सरकार को फिर से खोलने की अनुमति देनी चाहिए। इस पोस्ट के कुछ घंटे बाद उन्होंने कहा कि हम डेमोक्रेट्स के साथ बातचीत कर रहे हैं। बहुत अच्छे परिणाम निकल सकते हैं। सीनेट के अल्पसंख्यक नेता और ऊपरी सदन के शीर्ष डेमोक्रेट चक शूमर ने कहा कि राष्ट्रपति की टिप्पणी सच नहीं है और व्हाइट हाउस के साथ बातचीत नहीं हो रही है।

स्टॉक मार्केट में सुबा होटल्स की जबरदस्त शुरुआत, लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। मिड-मार्केट सेक्टर में होटल चेन चलाने वाली कंपनी सुबा होटल्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 111 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 38.92 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 154.20 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर थोड़ी ही देर में 161.90 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 45.86 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। सुबा होटल्स का 75.47 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 15.33 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 20.98 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 22.41 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 9.07 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 67,99,200 नए शेयर जारी किए गए हैं।

ग्लोटिस ने अपने आईपीओ निवेशकों को दिया करारा झटका, 34 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ हुई लिस्टिंग

नई दिल्ली। सड़क, हवा और समुद्री रास्ते से ट्रांसपोर्टेशन सर्विसेज मुहैया कराने वाली लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस कंपनी ग्लोटिस के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 129 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग करीब 34 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 88 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 84 रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से इस शेयर की चाल में थोड़ी तेजी भी आई। सुबह 10꞉30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 89.35 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह लिवाली होने के बावजूद अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 30.74 प्रतिशत का नुकसान हो चुका है।ग्लोटिस का 307 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.12 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.84 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

महिंद्रा ने नई बोलेरो रेंज पेश की, आधुनिक डिजाइन और बेहतर सुविधाओं से हुई और दमदार

जयपुर। भारत की अग्रणी एसयूवी निर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने बोलेरो की नई रेंज लॉन्च की। नई बोलेरो की कीमत 7.99 लाख (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है, जबकि शीर्ष वेरिएंट बी8 की कीमत ?9.69 लाख तक है। इसी तरह, बोलेरो नियो की शुरुआती कीमत 8.49 लाख और टॉप वेरिएंट एन11 की कीमत 9.99 लाख (एक्स-शोरूम) रखी गई है। महिंद्रा की बोलेरो पिछले 25 वर्षों से भारतीय सड़कों पर मजबूती और भरोसे का प्रतीक बनी हुई है। 16 लाख से अधिक ग्राहकों के विश्वास के साथ यह एसयूवी शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में अपनी मजबूती और प्रदर्शन के लिए जानी जाती है। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के ऑटोमोटिव डिवीजन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नलिनीकांत गोलागुंटा ने कहा कि बोलेरो समय की कसौटी पर खरी उतरी है और नई रेंज को तेजी से विकसित हो रहे भारत की आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। मज़बूती, आधुनिक स्टाइल और आराम के साथ यह एसयूवी हर इलाके में उपयुक्त प्रदर्शन देती है। नई बोलेरो अपने पारंपरिक मजबूत रूप में ही नहीं, बल्कि आधुनिक डिज़ाइन और फीचर्स के साथ भी आकर्षक है। इसमें नया बोल्ड ग्रिल, फॉग लैंप और डायमंड-कट अलॉय व्हील्स दिए गए हैं।

भारत और कतर ने व्यापार और निवेश बढ़ाने के उपायों पर की चर्चा

दोहा। भारत और कतर ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार और निवेश बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यहां कतर के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री शेख फैसल बिन थानी बिन फैसल अल थानी के साथ विचार-विमर्श किया। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, हमने भारत-कतर द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की और व्यापार, निवेश तथा रणनीतिक सहयोग में बहुआयामी साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। गोयल दोनों देशों के बीच निवेश के अवसरों पर चर्चा करने के लिए एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। वाणिज्य मंत्री ने आगे लिखा है इससे पहले कतर सेंट्रल बैंक के गवर्नर और कतर निवेश प्राधिकरण एवं कतर वित्तीय केंद्र नियामक प्राधिकरण के अध्यक्ष शेख बंदर बिन मोहम्मद बिन सऊद अल-थानी से मिलकर प्रसन्नता हुई।

जापान की टीडीके कारपोरेशन हरियाणा में बढ़ाएगी निवेश

सहयोगी कंपनी एटीएल हरियाणा में स्थापित कर रही लिथियम बैटरी उद्योग

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में जापान दौरे पर गए प्रतिनिधिमंडल ने पहले ही दिन जापान की बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधियों से बैठकें कर हरियाणा में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया। इस दौरान हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह भी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने टोक्यो में जापान की अग्रणी इलेक्ट्रॉनिक कंपनी टीडीके कॉर्पोरेशन के साथ अहम बैठक कर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, सेंसर और चुंबकीय सामग्री के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने पर विचार-विमर्श किया।

उल्लेखनीय है कि टीडीके

कॉर्पोरेशन की सहायक कंपनी एटीएल बैटरी द्वारा ईएमसी सोहना, हरियाणा में भारत का सबसे बड़ा लिथियम-आयन बैटरी विनिर्माण संयंत्र स्थापित किया जा रहा है। यह परियोजना हरियाणा को ऊर्जा भंडारण तकनीक के क्षेत्र में अग्रणी बनाएगी और राज्य में रोजगार, नवाचार तथा तकनीकी विकास को गति प्रदान करेगी। बैठक में टीडीके कंपनी के अन्य पार्टनर्स को हरियाणा में एक व्यापक इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण इकोसिस्टम स्थापित करने के लिए निवेश करने हेतु भी प्रोत्साहित किया गया। मुख्यमंत्री ने टीडीके कॉर्पोरेशन को हरियाणा सरकार की उद्योग-हितैषी नीतियों, उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे और निवेशकों को प्रदान किए जा रहे सहयोग के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दिल्ली के साथ लगते गुरुग्राम शहर में 250 से ज्यादा फॉर्च्यून 500 कंपनियों के कार्यालय स्थित हैं। इतना ही नहीं, लागत को कम करने, बिक्री बढ़ाने और सप्लाई चैन को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, एन.सी.आर. क्षेत्र में हरियाणा सबसे उपयुक्त डेस्टीनेशन है। क्योंकि, दिल्ली के तीन ओर हरियाणा प्रदेश की सीमा लगती है।

फैबटेक टेक्नोलॉजीज ने निवेशकों को किया निराश, फ्लैट लिस्टिंग के शेयरों में गिरावट का रुख

एजेंसी

नई दिल्ली। फार्मास्यूटिकल, बायोटेक और हेल्थकेयर इंडस्ट्री को टर्नकी इंजीनियरिंग सॉल्यूशंस प्रोवाइड कराने वाली कंपनी फैबटेक टेक्नोलॉजीज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। निवेशकों की निराशा तब और बढ़ गई, जब लिस्टिंग के बाद बिकवाली के कारण कंपनी के शेयरों की गिरावट और बढ़ गई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 191 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 191 रुपये के स्तर पर ही हुई, जबकि एनएसई पर 1 रुपये के मामूली प्रीमियम के साथ 192 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस शेयर की चाल में गिरावट आ गई। दोपहर 11꞉30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 181.50 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 9.50 प्रतिशत का नुकसान हो चुका है। फैबटेक टेक्नोलॉजीज का 230.35 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.04 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 2.02 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.97 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.09 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 2.01 गुना सब्सक्राइब हुए थे। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 1,20,60,000 नए शेयर जारी किए गए हैं।

एयरलाइन इंडिगो 26 अक्टूबर से मुंबई और लंदन हीथ्रो के बीच सीधी उड़ानें शुरू करेगी

एजेंसी

नई दिल्ली।एयरलाइन इंडिगो 26 अक्टूबर से मुंबई और लंदन हीथ्रो के बीच सीधी दैनिक नॉन-स्टॉप उड़ानें शुरू करेगी, जिसका किराया 22,999 रुपये से शुरू होगा। यह मैनचेस्टर के बाद यूनाइटेड किंगडम में उसका दूसरा गंतव्य होगा। एयरलाइन ने जारी एक बयान में बताया कि नई सेवा नॉर्स अटलांटिक एयरवेज से लीज पर लिए गए बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान के जरिए संचालित की जाएगी। विमान में दो-श्रेणी की व्यवस्था होगी, जिसमें इकोनॉमी और इंडिगोस्ट्रेच केबिन शामिल हैं। यात्रियों को मुफ्त गर्म भोजन और पेय पदार्थ मिलेंगे। इकोनॉमी श्रेणी में मादक पेय खरीदने के लिए उपलब्ध होंगे और इंडिगोस्ट्रेच ग्राहकों के लिए मुफ्त होंगे। साथ ही प्रत्येक सीट पर एक सीटबैक मनोरंजन स्क्रीन होगी, जो लगभग 300 घंटे की सामग्री प्रदान करेगी। इंडिगो की वेबसाइट, मोबाइल ऐप और अधिकृत यात्रा भागीदारों के माध्यम से बुकिंग उपलब्ध है। इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर

एल्बर्स ने कहा कि अपने आकार और कनेक्टिविटी के लिए प्रसिद्ध प्रमुख वैश्विक केंद्र हीथ्रो में प्रवेश करना एक गौरवपूर्ण उपलब्धि और इंडिगो की वैश्विक उपस्थिति को मज़बूत करने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है। उन्होंने कहा कि भारत-यूनाइटेड किंगडम कॉरिडोर लंबे समय से महत्वपूर्ण रहा है, न केवल मज़बूत द्विपक्षीय संबंधों के कारण, बल्कि छात्रों, दोस्तों और रिश्तेदारों, व्यापारिक और अवकाश यात्रियों द्वारा संचालित दोनों देशों के बीच बढ़ते यातायात के कारण भी। मैनचेस्टर के लिए हमारी पहली लंबी दूरी की उड़ान को मिली शानदार प्रतिक्रिया के बाद हम लंदन में कदम रखने को लेकर उत्साहित हैं, जहां हम अपने ग्राहकों के लिए और अधिक त्रा विकल्प प्रदान करते हुए भारत और दुनिया के बीच निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करेंगे।

घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का सिलसिला बरकरार, नए शिखर पर सोना और चांदी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी की कीमत आज एक बार फिर मजबूती के नए शिखर पर पहुंच गई है। आज के कारोबार में सोना 1,270 रुपये से लेकर 1,390 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। इसी तरह चांदी के दाम भी 1,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गए हैं।

कीमत में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,20,780 रुपये से लेकर 1,20,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,10,710 रुपये से लेकर 1,10,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,56,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,20,930 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,10,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट

सोना 1,20,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,10,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,20,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,10,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,20,780 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,10,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,20,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,10,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,20,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,10,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,20,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,10,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,20,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,10,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

कमजोर लिस्टिंग से ओम मेटलॉजिक ने किया निराश, नुकसान में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। मेटल सेक्टर में काम करने वाली कंपनी ओम मेटलॉजिक के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 86 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 1 रुपये के डिस्काउंट के साथ 85 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद ये शेयर सीमित दायरे में कारोबार करता रहा। दोपहर 12:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 85 रुपये के स्तर पर ही कारोबार कर रहे थे।

ओम मेटालॉजिक का 22.35 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.47 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन

में सिर्फ 0.41 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.53 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 25,98,400 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.10 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2.22 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 4.12 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की आय 55 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 60.41 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।इस दौरान कंपनी पर कर्ज के बोझ में लगातार गिरावट दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी पर कर्ज का बोझ 11.55 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में घट कर 11.04 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह वित्त वर्ष 2024-25 के आखिर में कंपनी का कर्ज कम होकर 10.35 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

जी. किशन रेड्डी और सीएम पेमा खांडू ने किया अरुणाचल प्रदेश की पहली वाणिज्यिक कोयला खदान का उद्घाटन

एजेंसी

गुवाहाटी। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू के साथ चांगलांग ज़िले में नामचिक नामफुक कोयला खदान का उद्घाटन किया, जो राज्य की पहली वाणिज्यिक कोयला खनन परियोजना के रूप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।कोयला मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि इस ऐतिहासिक अवसर पर केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी और अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने परियोजना स्थल पर भूमि पूजन किया और ''100 वृक्षारोपण पहल'' के तहत पौधरोपण अभियान में भाग लिया। इसके बाद नामचिक नामफुक कोयला खदान का औपचारिक उद्घाटन किया गया। मंत्रालय के मुताबिक इस कार्यक्रम में खनन पट्टा सौंपे जाने और नामचिक-नामफुक सेंट्रल कोल ब्लॉक के लिए सीपीपीएल के उपकरणों और मशीनरी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जिससे खनन कार्यों की आधिकारिक शुरुआत हुई। ये आयोजन अरुणाचल प्रदेश की आर्थिक यात्रा में एक नया अध्याय जोड़ता है, जो इसे भारत के कोयला और ऊर्जा मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करता है।

स्टॉक मार्केट में विजयपीडी स्यूटिकल की फ्लैट लिस्टिंग से निराश हुए निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। फार्मास्यूटिकल उत्पादों और कंज्यूमर गुड्स का डिस्ट्रीब्यूशन करने वाली कंपनी विजयपीडी स्यूटिकल के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 35 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 35 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 35.958 रुपये के स्तर पर पहुंचा, लेकिन थोड़ी देर बाद ही इसमें गिरावट आ गई। दोपहर 12꞉30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 35 रुपये के स्तर पर ही कारोबार कर रहे थे। विजयपीडी स्यूटिकल का 19.25 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से

फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.37 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.86 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सिर्फ 0.89 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 55 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 18 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 1.65 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 4.80 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की आय 98 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 107.59 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी पर कर्ज के बोझ में उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी पर कर्ज का बोझ 25.56 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में बढ़ कर 30.04 करोड़ रुपये हो गया।

सोढानी कैपिटल की स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री, मजबूत लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। फाइनेंशियल सर्विसेज फर्म सोढानी कैपिटल के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 51 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 56.86 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 80 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर थोड़ी ही देर में 84 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 64.71 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। सोढानी कैपिटल का 10.71 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 4.79 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 5.99 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 4.85 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 4.10 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी मुंबई में ऑफिस की खरीदारी करने, म्यूचुअल फंड ऐप डेवलप करने, आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलप करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.20 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2.21 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 2.18 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की आय 29 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 4.13 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई। इस दौरान कंपनी पर कर्ज के बोझ में कमी आई। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी का कर्ज 7 लाख रुपये था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में घट कर 5 लाख रुपये हो गया।

मुंबई की हवाई यात्रा की कहानी को नए सिरे से लिखने को नवी मुंबई एयरपोर्ट तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की आर्थिक राजधानी स्थित नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (एनएमआईए), जो मुंबई का दूसरा एयरपोर्ट भी है। आखिरकार वर्षों की प्रतीक्षा के बाद 8 अक्टूबर को यात्रियों के लिए खुल जाएगा। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। इसका विकास नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (एनएमआईएएल) द्वारा किया गया है, जो एक संयुक्त उद्यम है। एनएमआईए में अडानी एयरपोर्ट्स होल्डिंग्स की 74 फीसदी और सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (सिडको) की 26 फीसदी हिस्सेदारी है। यह परियोजना डीबीएफओटी मॉडल (डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन, हस्तांतरण) पर आधारित है, जिससे ये सुनिश्चित होता है कि निर्माण और संचालन का अधिकांश भाग निजी निवेश द्वारा संचालित हो।

नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा (एनएमआईए) नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईए) एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) है, जिसे नवी मुंबई महाराष्ट्र में ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट परियोजना के डिजाइन, निर्माण, संचालन, रखरखाव और विस्तार के लिए गठित किया गया है। यह एक पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर आधारित परियोजना है।

ढिल्लों फ्रेट कैरियर की जबरदस्त गिरावट के साथ स्टॉक मार्केट में एंट्री, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस कंपनी ढिल्लों फ्रेट कैरियर के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया।

आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 72 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 57.60 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में थोड़ी ही देर बाद ये शेयर गिर कर 54.72 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 24 प्रतिशत का नुकसान हो गया। ढिल्लों फ्रेट कैरियर का 10.08 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.91 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स

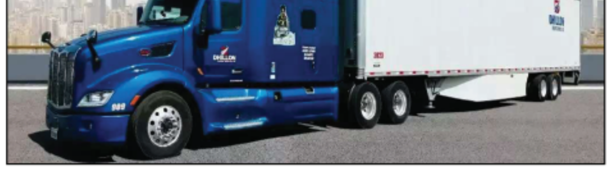

(एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 0.96 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 4.87 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 14 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी कॉमर्शियल गाड़ियों की खरीदारी करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 36 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 1.09 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 1.73 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की आय 2 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 25.22 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।इस दौरान कंपनी पर कर्ज के बोझ में उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी का कर्ज 4.39 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में बढ़ कर 4.80 करोड़ रुपये हो गया। वहीं वित्त वर्ष 2024-25 के आखिर में कंपनी का कर्ज घट कर 3.34 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें, तो वित्त वर्ष 2022-23 के आखिरी में ये 1.33 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिरी में घट कर 98 लाख रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 के आखिरी में उछल कर 2.71 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

रश्मिका मंदाना

से सगाई के 3 दिन बाद दिखे विजय देवरकोंडा, फ्लॉन्ट की इंगेजमेंट रिंग

3 अक्टूबर को रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने सगाई कर ली है. हालांकि, कपल की फोटो अभी तक सामने नहीं आई हैं. लेकिन, सगाई के बाद पहली बार विजय ने पब्लिक अपियरेंस दी है. इस दौरान उन्होंने अपनी इंगेजमेंट रिंग फ्लॉन्ट की.

साउथ एक्टर विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की सगाई की खबर कुछ वक्त पहले आई थी, जिसके बाद से पहली बार एक्टर को पब्लिक इवेंट में स्पॉट किया गया है. इस दौरान एक्टर लोगों के सामने अपनी इंगेजमेंट रिंग फ्लॉन्ट करते दिखे हैं. हालांकि, विजय और रश्मिका दोनों के ही तरफ से अभी तक इंगेजमेंट की कोई भी ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है. लेकिन, खबरों की मानें, तो 3 अक्टूबर को कपल ने अपने रिश्ते को आगे बढ़ा दिया है.विजय और रश्मिका ऑनस्क्रीन और ऑफस्क्रीन भी लोगों के पसंदीदा कपल है.

काफी वक्त से दोनों के रिश्ते की खबर सामने आ रही थी, लेकिन विजय और रश्मिका ने इस पर कभी बात नहीं की है. बताया जा रहा है कि कपल ने हैदराबाद स्थित घर में प्राइवेट तरीके से सगाई कर ली, जिसमें फैमिली मेंबर और करीबी दोस्त शामिल थे. सगाई के बाद से विजय के रिंग फिंगर में अंगूठी देखकर लोग काफी एक्साइटेड नजर आए.

वीडियो हो रहा वायरल

हाल ही में विजय अपनी फैमिली के साथ श्री सत्य साईं बाबा की महासमाधि पर गए. इस दौरान एक्टर के वेलकम के लिए उन्हें बुके थमाया गया, इस दौरान उनकी सगाई की अंगूठी दिखी. सोशल मीडिया पर एक्टर का ये वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है. रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि ये कपल साल 2026 के फरवरी महीने में शादी कर सकता है. दोनों के ही फैंस इस न्यूज से काफी खुश हैं और उन्हें बधाईयां दे रहे हैं. लेकिन, अभी तक सगाई की कोई तस्वीर सामने नहीं आई है.

पहले हो चुकी है सगाई

रश्मिका और विजय की मुलाकात की बात करें, तो जानकारी के मुताबिक फिल्म 'गीता गोविंदम' के सेट पर दोनों की मुलाकात हुई थी. जिसके बाद दोनों का रिश्ता प्यार में बदल गया. इसके अलावा दोनों ने फिल्म 'डियर कॉमरेड' में भी काम किया है, जिसमें उनकी जोड़ी को लोगों ने खूब प्यार दिया है. पर्सनल लाइफ की बात करें, तो साल 2017 में रश्मिका ने एक्टर रक्षित शेट्टी से सगाई की थी, लेकिन बाद में दोनों ने ये रिश्ता खत्म कर दिया.

प्रेग्नेंट हैं कॉमेडियन

भारती सिंह

पोस्ट शेयर कर दी खुशखबरी, फोटो में दिखा बेबी बंप

कॉमेडी की क्वीन भारती सिंह एक बार फिर मां बनने वाली हैं। जी हां, भारती प्रेग्नेंट हैं। उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर ये खुशखबरी दी है। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई फोटो में भारती अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। वहीं उनके पति हर्ष लिंबाचिया उनपर और होने वाले बच्चे पर प्यार लुटाते दिखाई दे रहे हैं।

'मैं बड़ा भाई बनने वाला हूं'

भारती के साथ-साथ लक्ष्य उर्फ गोला के इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी ये खुशखबरी शेयर की गई है। इस अकाउंट को भारती और हर्ष ही संभालते हैं और उन्होंने अपने बेटे के अकाउंट पर उसकी एक तस्वीर पोस्ट की है जिसमें वह टी-शर्ट पहने नजर आ रहा है। टी-शर्ट पर लिखा है, मैं बड़ा भाई बनने वाला हूं। उन्होंने पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा, अब मुझसे भी छोटा कोई आ रहा है।

पूरी हुई भारती की इच्छा

आपको बता दें, भारती और हर्ष साल 2022 में पहली बार पैरेंट्स बने थे। बेटे लक्ष्य उर्फ गोला को जन्म देने के बाद भारती कई बार इंटरव्यूज में कह चूकी हैं कि उन्हें अब बस एक बेटी चाहिए। ऐसे में भारती के प्रेग्नेंट होने की खबर सुनकर उनके फैंस खुश हो गए हैं। वे उन्हें बधाई दे रहे हैं और कह रहे हैं कि भगवान ने उनकी बात सुन ली।

कभी डायरेक्शन, तो कभी फिल्मों में काम... कौन हैं मालती चाहर, जो सलमान खान के बिग बॉस में कर रही हैं एंट्री?

'बिग बॉस' का हर सीजन अपने साथ कुछ न कुछ नया फ्लेवर लेकर आता है. इस बार 19 वां सीजन शुरू होने के बाद से लोग इस शो में पहले दिन से ही पसंद कर रहे हैं. शो में कई जाने माने नाम शामिल हैं. अब इस शो में वाइल्ड कार्ड एंट्री होने वाली है, हालांकि, इससे पहले शहबाज वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर आए थे. लेकिन, अब खबर है कि क्रिकेटर दीपक चाहर की बहन मालती चाहर इस शो का हिस्सा हो सकती है.सलमान खान का रियलिटी शो 'बिग बॉस' जैसे-जैसे आगे बढ़ता जा रहा है, वैसे ही लोगों की दिलचस्पी भी बढ़ती जा रही है. अब शो में मालती चाहर के शामिल होने की खबर सामने आ रही हैं. मालती बतौर एक्ट्रेस और मॉडल खुद की पहचान बना चुकी हैं. उन्होंने कई ब्यूटी पेजेंट में भी पार्टिसिपेट किया है और कई खिताब भी अपने नाम किया है. सोशल मीडिया पर भी मालती काफी जाना माना चेहरा है, जो कि कंटेंट क्रिएशन से पॉपुलैरिटी हासिल कर चुकी हैं.

फिल्मों में आई हैं नजर

फिल्मी सफर की बात करें, तो मालती मिथुन चक्रवर्ती और नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ फिल्म 'जीनियस' में नजर आई थीं. इसके बाद साल 2022 में उन्हें फिल्म 'इश्क पश्मीना' में देखा गया था. उन्हें कई शॉर्ट फिल्मों में भी देखा गया है, जिसमें '7 फेरे- अ ड्रीम हाउसवाइफ' और 'ओ मायेरी' जैसी फिल्मों का नाम शामिल है. खास बात है कि मालती ने इन शॉर्ट फिल्मों को लिख और डायरेक्ट भी किया है. उन्हें कई टीवी ऐड्स में भी देखा गया है.

इंजीनियर की डिग्री

मालती ने साल 2009 में मिस इंडिया अर्थ का खिताब जीता था. इसके अलावा उन्होंने साल 2014 में मिस इंडिया दिल्ली में मिस फोटोजेनिक का खिताब अपने नाम किया था. इतना ही नहीं वो फेमिना मिस इंडिया 2014 की फाइनलिस्ट भी रह चुकी हैं. मालती की पढ़ाई की बात करें, तो उन्होंने सॉफ्टवेयर इंजीनियर की डिग्री हासिल की है. हालांकि, मालती के 'बिग बॉस' 19 के घर में सदस्य के तौर पर आ रही हैं या नहीं इसकी ऑफिशियल अनाउंसमेंट का इंतजार हो रहा है.

रणबीर-विकी की एक और टक्कर! आलिया भट्ट की अगली बड़ी फिल्म में होगी किसकी एंट्री?

रणबीर कपूर अगले साल बड़ी फिल्म से वापसी करने जा रहे हैं, जो है-लव एंड वॉर. ईद पर आ रही इस फिल्म का यश की टॉक्सिक से क्लैश होगा. संजय लीला भंसाली की पिक्चर में रणबीर कपूर और विकी कौशल आमने-सामने आने वाले हैं. दोनों के लिए कुछ धांसू एक्शन सीन्स प्लान किए गए हैं. जिसमें से कुछ की शूटिंग हो गई है. जबकि कुछ का काम जल्द कर लिया जाएगा. अब आलिया भट्ट की एक बड़ी फिल्म पर अपडेट आ गया है. यूं तो आलिया भंसाली की फिल्म का भी हिस्सा हैं. पर नई फिल्म में रणबीर-विकी में किसकी एंट्री होगी ?वैसे तो 'लव एंड वॉर' में रणबीर कपूर और यश एक साथ फिल्में में दिखेंगे. पर आलिया की नई फिल्म में एक रोल को पाने के लिए टकराएंगे. जो भी एक्टर इस रोल के लिए फाइनल होगा, वो आलिया के साथ नजर आएगा. 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' के बाद करण जौहर अपनी अगली फिल्म के लिए पूरी तरह से तैयार हैं. जिस पर अपडेट आ गया है.

आलिया की अगली फिल्म में होगा कौन ?

हाल ही में एक न्यूज वेबसाइट पर रिपोर्ट छपी. जिससे पता लगा कि करण जौहर की अगली फिल्म में आलिया भट्ट ही लीड एक्ट्रेस होंगी. पर सवाल है कि उनके अपोजिट फिल्म में कौन होगा ? इस वक्त दो एक्टर्स से बातचीत चल रही है, जिन्हें फिल्म के लिए अप्रोच किया गया है. एक ओर है रणबीर कपूर, तो दूसरे हैं विकी कौशल. ऐसी चर्चा है कि इन दोनों एक्टर्स में से एक को फिल्म के लिए फाइनल कर लिया जाएगा. जो पिक्चर में बतौर लीड एक्टर काम करेगा. इस वक्त खास यह है कि तीनों ही एक्टर्स भंसाली की पिक्चर में साथ काम कर रहे हैं.

विकी के साथ कर चुकी हैं काम

दरअसल आलिया भट्ट की फिल्म के लिए अगर विकी कौशल फाइनल होते हैं. तो यह उनका साथ में तीसरा कोलैबोरेशन होगा, क्योंकि वो सबसे पहले 'राजी' में साथ दिखाई दिए थे. उसके बाद 'लव एंड वॉर' में अब दूसरी बार दिखेंगे. पर अब तीसरी फिल्म को लेकर भी चर्चा चल रही है.

क्या रणबीर होंगे फाइनल ?

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की साथ में पहली फिल्म Brahmastra है. जिसमें पहली बार साथ नजर आए. अगर करण जौहर की यह पिक्चर उन्हें मिलती है, तो फिर यह दोनों का तीसरा कोलैबोरेशन होगा. हालांकि, ऐसी चर्चा है कि बह्मास्त्र 2 में दोनों फिर साथ दिखेंगे. लेकिन उससे पहले देखना होगा कि इस पिक्चर पर क्या फाइनल किया जाता है.

विद्यालय में दो घंटे तक बन्द रही बच्ची, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले के विकास खंड अछल्दा के ग्राम कन्हों स्थित कंपोजिट विद्यालय में सोमवार को बड़ी लापरवाही सामने आई। विद्यालय की छुट्टी के बाद कक्षा एक की छात्रा को कमरे में बंद कर शिक्षक चले गए। बच्ची की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण एकत्रित हो गए और अध्यापक को फोन कर सूचना दी। करीब दो घंटे बाद पहुंचे शिक्षक ने ताला खोलकर बच्ची को बाहर निकाला। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो किसी ने बना लिया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वायरल वीडियो की हिन्दुस्थान समाचार पुष्टि नही करता।

गांव कन्हों निवासी शिव रत्न ने बताया कि उनकी छह वर्षीय पुत्री तनु रोजाना की तरह सोमवार को विद्यालय में पढ़ने गई थी। दोपहर तीन बजे विद्यालय की छुट्टी होने के बाद शिक्षक भवन बंद कर घर चले गए। इस दौरान तनु विद्यालय के एक कमरे में बंद रह गई। कुछ देर बाद बच्ची की चीख सुनकर आसपास के ग्रामीण एकत्रित हो गए और शिक्षक रामचन्द्र को फोन पर जानकारी दी। सूचना मिलते ही करीब शाम पांच बजे शिक्षक मौके पर पहुंचे और ताला खोलकर बच्ची को बाहर निकाला।

कमरे से बाहर निकलते ही बच्ची अपने पिता से लिपटकर फूट-फूट कर रोने लगी। घटना की जानकारी पाकर ग्राम प्रधान पारुल दोहरे मौके पर पहुंचीं और सहमी हुई बच्ची को फल व चॉकलेट देकर शांत कराया।

इस संबंध में सहायक अध्यापक रामचन्द्र ने बताया कि बच्ची रोज अपने भाई प्रांशु के साथ विद्यालय आती है, परंतु उसका नाम विद्यालय में दर्ज नहीं है। किसी तरह वह विद्यालय में बंद रह गई थी। सूचना मिलते ही वे तुरंत विद्यालय पहुंचे और ताला खोला। खंड शिक्षा अधिकारी अछल्दा प्रवीण कुमार ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है। यदि लापरवाही पाई गई तो संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

महोबा में लव जिहाद, मुस्लिम युवक ने हिन्दू बनकर किशोरी को प्यार के जाल में फंसाया

महोबा (उत्तर प्रदेश)। महोबा जिले के पनवाड़ी कस्बे में लव जिहाद की सनसनीखेज घटना सामने आई है। एक मुस्लिम युवक ने अपना धर्म छिपाकर हिन्दू किशोरी से दोस्ती की और फिर घुमाने के बहाने ले जाकर दुष्कर्म करने का प्रयास किया। अश्लील वीडियो और फोटो बनाकर उसे ब्लैकमेल किया। सोमवार को किशोरी के साथ बाजार में अभद्रता की। राहगीरों ने आरोपित से किशोरी को बचाया और उसे पुलिस के हवाले कर दिया।

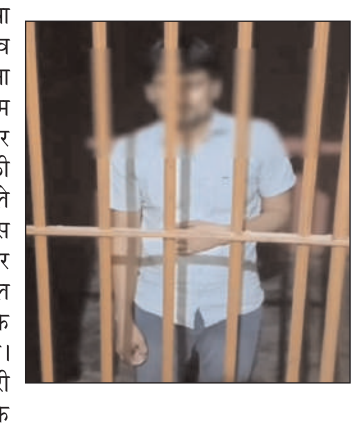

आहत पिता ने पुलिस को तहरीर दी है कि उसकी 14 वर्षीय बेटी कुछ दिनों पहले बाजार गई थी। जनरल स्टोर पर एक युवक से उसकी मुलाकात हुई। युवक ने अपना नाम दीपक बताया। इसके बाद इस युवक ने मेल-मिलाप बढ़ाया। कुछ दिन बाद बाहर घुमाने के बहाने बेटी को कार में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया। बाद में बेटी की अश्लील फोटो और वीडियो बना ब्लैकमेल किया। बेटी के मना करने पर वीडियो सोशल मीडिया में वायरल करने की धमकी दी।

पिता ने कहा कि सोमवार सुबह लगभग 10 बजे उसकी बेटी फल लेने बाजार गई। आरोपित ने उसका पीछा कर सरेआम हाथ पकड़कर अभद्रता की। बेटी के शोर मचाने पर राहगीरों ने उसे बचाया और आरोपित को पकड़कर उसका आधार कार्ड चेक किया तो उसमें उसका नाम जुनैद दर्ज था। आरोपित ने हिन्दू नाम बताकर बेटी को लव जिहाद का शिकार बनाया।

अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपित के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। अभियुक्त को हिरासत में लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

सीता मैया वन गमन, लवकुश कांड का मंचन देख भाव विभोर हुए भक्त

जौनपुर । उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के जफराबाद क्षेत्र अंतर्गत श्री दया नारायण लीला समिति के तत्वावधान में कबुलपुर बाजार में चल रही रामलीला में सोमवार की रात में कलाकारों ने सीता मैया लवकुश कांड का दृश्य का मंचन किया गया। समिति के कलाकारों द्वारा दिखाया गया। जब भगवान राम के आदेश पर नगर निरीक्षकों ने माता सीता को जंगल में छोड़ा तो दर्शक भाव-विभोर हो गए।सीता माता जंगल में आत्महत्या करने को जाती है तो महर्षि वाल्मीकि उन्हें रोकते हैं और सीता को अपने आश्रम में ले आते हैं। आश्रम में लवकुश का जन्म होता है। वाल्मीकि उन्हें धनुष विद्या सीखाते हैं और सीता चरित्र सुनाते हैं।उधर भगवान राम अश्वमेघ यज्ञ का घोड़ा छोड़ते हैं और लवकुश उसे पकड़ लेते हैं। युद्ध में जब सब हार जाते हैं तब भगवान राम स्वयं लवकुश से युद्ध करने आते हैं। तब महर्षि वाल्मीकि लवकुश को बताते हैं कि यहीं आपके पिता हैं। तब सभी का मिलन होता है। भगवान राम सीता की अग्नि परीक्षा लेने की बात करते हैं और सीता धरती मां में समा जाती है। इस दृश्य को देखकर कई महिलाओं के आंसू आ गए। राम की भूमिका उमा नाथ यादव,लक्ष्मण की भूमिका भूपेश श्रीवास्तव, भरत अजय बेनवंशी, शत्रुघ्न अंकित श्रीवास्तव, सीता छोटू बेनवंशी, लव आयुष चौहान, लवनासुर राम आसरे मिश्रा ,कुश आदित्य चौहान ,सुग्रीव दीपक चौहान ,हनुमान प्रिंस श्रीवास्तव,वशिष्ठ अशोक गुप्ता,विभीषण मोनू गुप्ता,विश्वामित्र अतुल सिंह, आदि रहे।

फ्रूटी के लिए पेपर स्ट्रा बनाने वाली कंपनी में लगी भयंकर आग

● 5 घंटे की मशक्कत के बाद 15 गाड़ियों ने पाया काबू

गौतम बुद्ध नगर। थाना ईकोटेक-तीन क्षेत्र में स्थित सी -124 उद्योग केन्द्र- 2 में आज तड़के 3 बजे के करीब पेपर से स्ट्रा बनाने वाली कंपनी में शार्ट सर्किट के चलते आग लग गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर दमकल विभाग की 15 गाड़ियां पहुंची। करीब 5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है।

मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि आज तड़के करीब तीन बजे फायर ब्रिगेड को सूचना मिली कि सी - 124 उद्योग केन्द्र-दो में स्थित एक कंपनी जो की पेय पदार्थ फ्रूटी के लिए पेपर स्ट्रा बनाती है, उसमें शॉर्ट सर्किट के चलते आग लग गई है। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर तुरंत कार्रवाई करते हुए दमकल विभाग की 15 गाड़ियां मौके पर पहुंची। आग ने भयानक रूप धारण कर रखा था। कंपनी के तीनों मंजिल पर आग लगी हुई थी। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत करते हुए आग पर काबू पाया।

सीएफओ ने बताया कि करीब 5 घंटे की मशक्कत के बाद आग को बुझाया गया है। अभी भी आग रह-रहकर धधक रही है। दमकल की पांच गाड़ियां अभी भी मौके पर मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। घटना के समय कुछ लोग कंपनी में थे जिन्हें सकुशल बाहर निकाल दिया गया है।

औषधि विभाग ने विभिन्न जगहों से कफ सिरप के 10 नमूने लेकर जांच को भेजे

गौतम बुद्ध नगर। कई राज्यों में कथित रूप से जहरीले कफ सिरप से बच्चों की मौत के मामलों के बाद जनपद गौतम बुद्ध नगर औषधि विभाग की ओर से कफ सिरफ के 10 नमूने लेकर जांच के लिए लखनऊ प्रयोगशाला भेजे गये है। इनमे दो नमूने जिला अस्पताल और अन्य अलग-अलग मेडिकल स्टोर से लिए गए हैं। विभाग का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

औषधि निरीक्षक जय सिंह ने बताया कि शासन से कोल्ड्रिफ सिरप का नमूना लेकर जांच के निर्देश हैं। जिले में कोल्ड्रिफ कफ सिरप की सप्लाई नहीं है। फिर भी एहतियातन जिले के सभी मेडिकल स्टोर और अस्पताल के संचालकों को कोल्ड्रिफ सिरप का वितरण नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। अगर कोई गैर कानूनी तरीके से इसका वितरण करता मिलता है तो कार्रवाई की जाएगी। विभाग की ओर से सभी तरह की कफ सिरप की जांच के लिए अभियान शुरू किया गया है। इनमें अलग-अलग कंपनी के 10 कफ सिरप का नमूना लेकर जांच के लिए भेजा गया है। जो नमूने जांच के लिए गए हैं। उनमें कोल्ड्रिफ सिरप शामिल नहीं है।

शासन ने तमिलनाडु की श्रीसन फार्मास्युटिकल द्वारा निर्मित कोल्ड्रिफ सिरप को लेकर कहा है कि इसमें डायएथिलीन ग्लाइकॉल नामक जहरीले रसायन की मिलावट पाई गई है। इस कारण किसी भी सरकारी या निजी अस्पताल, मेडिकल स्टोर या गोदाम में कोल्ड्रिफ सिरप व मेसर्स श्रीसन फार्मास्युटिकल की अन्य कफ सीरप दवाएं पाई जाएं तो उनका नमूना लिया जाए और वितरण तुरंत रोका जाए। सभी ब्रांडों के कफ सीरप के नमूने लेकर लखनऊ स्थित औषधि प्रयोगशाला में जांच भेजे जाएं। साथ ही दवा निमार्ता इकाइयों से प्रोपलीन ग्लाइकोल (जो कफ सीरप निर्माण में प्रयुक्त होता है) के नमूने लेकर जांच के लिए भेजने के निर्देश है।

ग्राम पंचायत भासोंन में जलजीवन मिशन ठप, ग्रामीण अब भी तरस रहे एक बूंद पानी को

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले के विकास खंड औरैया के ग्राम पंचायत भासोंन में सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जलजीवन मिशन की पोल खुलती नजर आ रही है। योजना का उद्देश्य हर घर तक नल से जल पहुंचाना है, लेकिन हकीकत यह है कि आज तक यहां के ग्रामीणों को एक बूंद पीने का पानी तक नसीब नहीं हुआ है।

ग्राम प्रधान रूप सिंह ने बताया कि भासोंन पंचायत में पांच गांव शामिल हैं, लेकिन किसी भी गांव में अब तक जलापूर्ति शुरू नहीं हो सकी है। उन्होंने कहा कि हमने जल निगम को कई बार लिखित शिकायतें दीं, लेकिन न तो कोई अधिकारी मौके पर आया और न ही समस्या का समाधान हुआ।

गांव निवासी दीपक ने बताया कि जल निगम की लापरवाही से पूरे गांव की गलियां खोद दी गईं हैं, जिससे लोगों को आवागमन में भी दिक्कत हो रही है। पानी तो आज तक नहीं मिला, लेकिन सड़कें टूटकर धूल उड़ाने लगी हैं, उन्होंने नाराजगी जताई।

वहीं ग्रामीण गीतम सिंह, चरण सिंह, धनीराम और संजय सिंह ने कहा कि प्रशासन की उदासीनता से लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से जल्द से जल्द पानी की सप्लाई शुरू करने और गलियों की मरम्मत कराने की मांग की है। इस संबंध में जलनिगम से सम्पर्क करने की कोशिश की गई तो संपर्क नहीं हो पाया ।

ग्राम पंचायत रंगोली में मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं व बालिकाओं को किया गया जागरूक

उरई,। मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत ग्राम पंचायत रंगोली में महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक करने हेतु सोमवार को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिला थाना उरई की प्रभारी पूनम ने टीम के द्वारा उपस्थित महिलाओं और छात्राओं को नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलम्बन से जुड़ी विभिन्न जानकारियाँ प्रदान की गईं।

पुलिस कर्मियों ने बताया कि प्रदेश सरकार महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस दौरान वुमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108 तथा साइबर हेल्पलाइन 1930 जैसे हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। साथ ही उपस्थित लोगों को इन सेवाओं के माध्यम से 24 घंटे मिलने वाली पुलिस सहायता के बारे में भी बताया गया।कार्यक्रम में महिला पुलिस टीम ने बुकलेट और पैम्पलेट वितरित कर मिशन शक्ति अभियान से संबंधित योजनाओं और सुरक्षा उपायों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हर महिला और बालिका को आत्मनिर्भर बनना चाहिए तथा किसी भी प्रकार की परेशानी या उत्पीड़न की स्थिति में तुरंत हेल्पलाइन का उपयोग करना चाहिए। ग्राम पंचायत रंगोली के अमृत वटिका परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं, बालिकाओं एवं ग्रामीणों की सहभागिता रही। सभी ने मिशन शक्ति अभियान की सराहना करते हुए महिला सशक्तिकरण के संदेश को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

जन्मोत्सव कार्यक्रम में गया किशोर लापता, गुमशदगी दर्ज

मौदहा हमीरपुर। दोस्त की बर्थडे पार्टी में गया नाबालिग लापता।पिता की तहरीर पर पुत्र की गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस जांच पड़ताल में जुटी।

कोतवाली क्षेत्र के पाटनपुर रोड नई बस्ती निवासी संजय कुमार पुत्र दुर्गा प्रसाद ने कोतवाली में दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया की मेरा 15 वर्षीय पुत्र शिवम गुप्ता जो की बीते दिनों घर से अपने दोस्त की बर्थडे पार्टी में कहकर कहीं चला गया जिसकी काफी तलाश की लेकिन कहीं उसका कुछ पता नहीं चल सका। वहीं पीड़ित ने बताया की जिस दिन घर से निकला उसी दिन शाम में चार बजे दुकान के कर्मचारी लवलेश से मोबाइल मांगकर छोटू पुत्र अज्ञात को फोन किया था। जिसपर पीड़ित पिता ने पुलिस से पुत्र की गुमशुदगी दर्ज कर जल्द तलाश करने की गुहार लगाई है। वहीं कोतवाली पुलिस ने पिता की तहरीर पर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल में जुट गई।

दबंग ने घर मे घुसकर मां-बेटी से साथ की गाली-गलौच

मौदहा हमीरपुर। घर में घुसकर मां बेटी के साथ मारपीट व गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देने वाले दबंग युवक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज।

कोतवाली क्षेत्र के खंडेह निवासी पीड़िता पूनम चौबे पुत्री राजेन्द्र प्रसाद चौबे ने कोतवाली पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया की गांव का सत्यम दुबे पुत्र संतोष दुबे आए दिन मेरा पीछा करता था जब मैंने उक्त सत्यम को मना किया तो वो मेरे घर में आकर मारने पीटने पर आमादा हो गया और मुझे व मेरी मां को बाल पकड़ कर घसीटे हुए सिर पर पत्थर मार दिया और गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया।

गंगा एक्सप्रेसवे बिजनौर से निकाले जाने की मांग को लेकर शिवसेना ने किया प्रदर्शन

बिजनौर। शिवसेना जिला प्रमुख चौधरी वीर सिंह के नेतृत्व में आज शिव सैनिक जिला कलेक्ट्रेट प्रदर्शन करते हुए पहुंचे तथा कई घंटा धरना देने के उपरांत मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन जिला अधिकारी को दिया गया जिसमें गंगा एक्सप्रेस को बिजनौर से होकर निकाले जाने की मांग की गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि बिजनौर महात्मा विदुर की पावन धरा है जिस पर आपके द्वारा अनेक कार्यक्रम किए गए हैं तथा आपने २०२१ में गंगा एक्सप्रेस को बिजनौर से निकल जाने की घोषणा भी एक जनसभा में की थी `बिजनौर से एक्सप्रेसवे निकाले जाने से समय की बचत होगी वहीं जनपद के विकास का मार्ग प्रशस्त होगो

इस अवसर पर शिव सैनिक मुकेश लंबा, शोभित, पुलकित कुमार, रानू ठाकुर, शशि कुमार, दुष्यंत कुमार, सुरेंद्र सिंह, यश अग्रवाल, नरेश सैनी, संजय शर्मा मनु गुप्ता पंकज चौहान तुषार रस्तोगी आदि बड़ी संख्या में मौजूद रहे ।

शरद पूर्णिमा के अवसर पर विहित के अवध प्रान्त मंत्री ने की संगठन के पदाधिकारी के साथ पूजा अर्चना

बाराबंकी। शरद पूर्णिमा एवं महर्षि वाल्मीकि जयंती की पूर्व संध्या पर विश्व हिंदू परिषद अवध प्रांत के प्रांत संगठन मंत्री विजय प्रताप ने उत्तर भारत के प्रसिद्ध तीर्थ महादेवा पहुंचकर कार्यकताओं के साथ सामूहिक रूप से भगवान शिव का पूजन अर्चन व जलाभिषेक कर मानव कल्याण की कामना की।

किडनी ट्यूमर से मासूम बच्चों को बचाने के लिए चाइल्ड पीजीआई कर रहा है शोध

गौतम बुद्ध नगर। बच्चों की किडनी में ट्यूमर को कैंसर में बदलने वाले कारक समय रहते इलाज हो सके, इसके लिए नोएडा के सेक्टर 30 में स्थित चाइल्ड पीजीआई शोध कर रहा है। इसमें ट्यूमर को कैंसर में बदलने वाले बायोमार्कर्स का पता किया जा रहा है। इस शोध में किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) लखनऊ के डॉक्टर भी सहयोग कर रहे हैं। चाइल्ड पीजीआई की रिसर्च फैसिलिटी के शोधकर्ता डॉ. दिनेश साहू ने बताया कि विल्म्स ट्यूमर 3-4 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सबसे घातक किडनी ट्यूमर है। डॉ. दिनेश ने बताया कि बच्चों में ट्यूमर के कुछ मार्कर्स होते हैं, जिन्हें बायोमार्कर्स कहा जाता है। जैसे बच्चों में म्यूटेशन होता है ऐसे में जीन में कुछ बदलाव हो जाता है। इससे ट्यूमर बन जाता है इसलिए बायोमार्कर्स का पता किया जा रहा है। डॉ. दिनेश ने बताया कि यह शोध 3 से 5 साल तक के बच्चों पर किया जा रहा है। बच्चों के जन्म के समय ही कुछ टेस्ट करवा रहे हैं और कुछ नए बायोमार्कर्स ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं।

डॉ. आकाश राज, एमएस, चाइल्ड पीजीआई ने बताया कि विल्म्स ट्यूमर को नेफ्रोब्लास्टोमा के रूप में भी जाना जाता है। बच्चों में सबसे आम किडनी कैंसर है। कई मामलों का उपचार पांच साल की उम्र से पहले किया जाता है। हमने संस्थान में जेनेटिक विश्लेषक स्थापित किया है। यह मशीन बीमारी के शीघ्र निदान में मदद करेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की लगाई गई आपत्तिजनक फोटो, सोशल मीडिया पर वायरल

बाराबंकी। जिले के मसौली थाना क्षेत्र के कस्बा रामपुर कटरा में सोमवार को एक सोशल मीडिया पर पोस्ट वायरल होने ने अचानक क्षेत्र में तनाव पैदा हो गया। पोस्ट में मक्का-मदीना के धार्मिक स्थल ह्यकाबाह्न की तस्वीर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की एडिटेड फोटो लगाई गई थी जिसे देखकर मुस्लिम समुदाय के लोगों में गहरा रोष फैल गया।

पवित्र काबा शरीफ पर आपत्तिजनक फोटो वायरल होते ही लोगों में आक्रोश फैल गया लेकिन समझदार नागरिकों और प्रशासन की तत्परता से बड़ी अनहोनी टल गई। पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार कस्बा रामपुर कटरा में सोमवार को उस समय स्थित तनावपूर्ण हो गया जब कस्बे का ही निवासी पुल्लू यादव पुत्र श्यामू यादव ने सोशल मीडिया पर धार्मिक स्थल काबा शरीफ की तस्वीर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की एडिटेड फोटो लगाई गई थी जिसे देखकर मुस्लिम समुदाय के लोगों में गहरा रोष फैल गया।

यह पोस्ट कुछ ही देर में वायरल हो गई और लोगों में नाराजगी फैलने लगी। जैसे ही मामला संज्ञान में आया, प्रधान प्रतिनिधि नियाज अहमद ने पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची सफदरगंज पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए आरोपी युवक को हिरासत में लेते हुए मामले का पटापेक्ष किया। पुलिस ने शिकायत पत्र लिया और कहा कि मामले की गंभीरता से जांच की जाएगी।

बाबा टिकैत की जयंती पर उनके जीवन चरित्र को अपनाने पर दिया जोर

बिजनौर। भाकियू अराजनैतिक के जिलाध्यक्ष नितिन सिरोही के नेतृत्व में बाबा स्व. महेंद्र सिंह टिकैत की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए गए। भाकियू अराजनैतिक के बिजनौर कार्यालय पर संगठन के कार्यकताओं बाबा टिकैत के जीवन पर प्रकाश डाला तथा उनके पदचिन्हों पर चलने का आह्वान किया। किसानों ने बाबा टिकैत के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। भाकियू अराजनैतिक के जिलाध्यक्ष नितिन सिरोही ने स्व. महेन्द्र सिंह टिकैत के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बाबा टिकैत ने किसानों को उनके हकों की लड़ाई लड़ना सिखाया है। उन्होंने किसान हित में एक से बढ़कर एक आंदोलन किए। आज का किसान कमजोर नहीं है।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at Dinesh Sharma 19, DSIDC Sheds, Scheme 3, Okhla Phase-2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No.- DLHIN/25/A2321